कार्तिक कृष्ण - 1 ■ संवत 2080 ■ वर्ष - 19 ■ अंक - 123 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » मंगलवार » 28-11-2023 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 भारत 2024 टी20 विश्व कप खिताब का बड़ा दावेदार : शास्त्री

6 सोशल मीडिया पर नग्नता का नंगा नाच

7 सिख आज पूरी दुनिया में छाये, पर मुगलों का कहीं अता-पता नहीं : योगी आदित्यनाथ

फर्स्ट टेक

न्यूजीलैंड के नए प्रधानमंत्री बने क्रिस्टोफर लक्सन

वेलिंग्टन/एपी। क्रिस्टोफर लक्सन ने सोमवार को न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री पद की शपथ ली और कहा कि उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता अर्थव्यवस्था में सुधार करना है। पूर्व व्यवसायी लक्सन(53) एक रूढ़िवादी गठबंधन का नेतृत्व कर रहे हैं जिनकी राष्ट्रीय पार्टी ने शुक्रवार को दो छोटी पार्टियों के साथ समझौता किया। न्यूजीलैंड में बीते महीने आम चुनाव हुए थे। शपथ ग्रहण समारोह की अध्यक्षता गवर्नर-जनरल सिंडी किरो ने की। इसके बाद लक्सन ने संवाददाताओं से कहा कि यह एक 'बड़ी जिम्मेदारी' है। उन्होंने कहा कि वह मंगलवार को कैबिनेट की पहली बैठक करेंगे और जल्द 100 दिवसीय योजना को अंतिम रूप देंगे।

इजराइल और हमास पर संघर्ष-विराम बढ़ाने का दबाव

तेल अवीव/एपी। अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थ गाजा में संघर्ष-विराम को बढ़ाने के लिए दबाव डाल रहे हैं जो सोमवार को समाप्त हो जाएगा। इस संघर्ष-विराम ने पिछले कुछ दशकों में सबसे घातक इजराइली-फलस्तीनी हिंसा को रोक दिया है। इजराइल द्वारा कैद फलस्तीनियों की रिहाई के बदले, हमास चरमपंथियों द्वारा बंधक बनाए गए लोगों को छोड़ने के चौथे चरण के लिए दोनों पक्ष तैयार हैं। इजराइल ने कहा है कि वह हर 10 अतिरिक्त बंधकों के लिए संघर्ष-विराम को एक दिन बढ़ाएगा। हमास ने यह भी कहा कि उसे अमेरिका, कतर और मिस्र की मध्यस्थता में हुई कई सप्ताह की परोक्ष वार्ता के बाद गत शुक्रवार को प्रभाव में आए चार दिन के संघर्ष-विराम के बढ़ने की उम्मीद है। लेकिन इजराइल का कहना है कि वह हमास की सैन्य क्षमताओं को कुचलने और गाजा पर उसके 16 साल के शासन को समाप्त करने के लिए प्रतिबद्ध है।

प्रीडेटर ड्रोन सौदे को अंतिम रूप दे सकते हैं भारत, अमेरिका

नई दिल्ली/भाषा। भारत अंतर-सरकारी ढांचे के तहत मार्च तक अमेरिका से 31 एमक्यू-9बी प्रीडेटर सशस्त्र ड्रोन खरीदने को लेकर एक ऐतिहासिक सौदे पर विचार कर रहा है और अमेरिकी कांग्रेस से अगले कुछ हफ्तों में आपूर्ति को मंजूरी मिल जाने की उम्मीद है। इस मामले की जानकारी रखने वाले एक सूत्र ने यह जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि अमेरिका की प्रमुख रक्षा कंपनी जनरल एटॉमिक्स (जीए) से ड्रोन के अधिग्रहण के लिए भारत के अनुरोध पत्र (एलओआर) पर वाशिंगटन की प्रतिक्रिया के बाद अमेरिका और भारत के अधिकारी खरीद पर बातचीत की अंतिम कड़ी आयोजित करेंगे। भारत सशस्त्र बलों के निगरानी तंत्र को मजबूत करने के लिए, विशेष रूप से चीन के साथ लगती वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर लंबे समय तक चलने वाले 'हंटर-किलर' ड्रोन खरीद रहा है।

28-11-2023 सूर्यास्त 5:50 बजे | 29-11-2023 सूर्योदय 6:24 बजे

BSE	NSE
65,970.04	19,802.00
(-47.77)	(-9.85)

सोना	चांदी
6,240 रु.	71,700 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

दर्शन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को आंध्र प्रदेश के तिरुमाला मंदिर में श्री वेंकटेश्वर स्वामी के दर्शन किये।

अब मलेशिया भी देगा भारतीयों को वीजा-मुक्त प्रवेश

कुआलालंपुर/भाषा। मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने एक दिसंबर से भारतीय एवं चीनी नागरिकों को 30 दिन का वीजा मुक्त प्रवेश दिए जाने की घोषणा की है। थाईलैंड और श्रीलंका ने भी पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए हालिया सप्ताह में इसी प्रकार की घोषणाएं की थी। इब्राहिम ने कहा कि वर्तमान में खाड़ी देशों और तुर्किये एवं जॉर्डन सहित अन्य पश्चिम एशियाई देशों को यह सुविधा प्राप्त है तथा अब यह भारत और चीन को भी दी जाएगी। देश की आधिकारिक समाचार एजेंसी 'बरनामा' के अनुसार, इब्राहिम ने साथ ही कहा कि वीजा छूट के दौरान कड़ी सुरक्षा जांच की जाएगी। इब्राहिम देश के वित्त मंत्री थी हैं। प्रधानमंत्री ने कहा, ''मलेशिया आने वाले सभी पर्यटकों और आगंतुकों की प्रारंभिक जांच की जाएगी। सुरक्षा एक अलग मामला है। यदि किसी व्यक्ति का आपराधिक रिकॉर्ड हैं या किसी से आतंकवाद का खतरा है तो उसे प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी।''

राष्ट्र सर्वोपरि की संस्कृति विकसित करने का धनखड़ ने किया आह्वान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/वार्ता। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने राष्ट्र सर्वोपरि की संस्कृति विकसित करने का आह्वान करते हुए कहा है कि महिला आरक्षण से समाज में सकारात्मक परिवर्तन आएगा।

धनखड़ ने सोमवार को श्रीमद राजचंद्र जयंती-'आत्मकल्याण दिवस' पर अयोजित समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि देश में ऐसा वातावरण और ऐसी संस्कृति विकसित करने की आवश्यकता है जिसमें सभी लोग राष्ट्र को सर्वोपरि रखें। उन्होंने कहा,हमें भारतीयता में विश्वास करना चाहिए और भारतीय होने पर गर्व करना चाहिए। हमें हमारी ऐतिहासिक उपलब्धियां पर गर्व करना चाहिए। हमने जिस चीज का सपना नहीं देखा था, कभी कल्पना नहीं की थी आज वह सब जमीनी हकीकत है।

इस अवसर पर उपराष्ट्रपति ने श्रीमद राजचंद्र जी की प्रतिमा का अनावरण भी किया।

धनखड़ ने कहा, पिछली शताब्दी के महापुरुष महात्मा गांधी थे और इस शताब्दी के युग पुरुष नरेंद्र मोदी हैं, महात्मा गांधी ने सत्याग्रह एवं अहिंसा से हमें अंग्रेजों की गुलामी से छुटकारा दिलाया था तथा भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी देश को उस रास्ते पर लाए हैं जिस रास्ते पर हम सदियों से देश को देखना चाहते थे।

उन्होंने कहा कि इन दोनों महानुभावों में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी में एक समानता है तथा वह समानता यह है कि ये दोनों ही लोग श्री राजचंद्र जी का हृदय से सम्मान करते हैं। राजचंद्र जी जितना महत्वपूर्ण व्यक्तित्व इतिहास में मिलना मुश्किल है। उन्होंने कहा कि भारत सदियों से महापुरुषों की जननी रहा है। भारत विश्व संस्कृति का केंद्र है। भारत की सभ्यता 5000 वर्षों से भी प्राचीन है। दुनिया में ऐसा कोई देश नहीं है। उन्होंने कहा कि हमारी ताकत हमारा आध्यात्मिक ज्ञान और संस्कृतिक है। दुनिया के महान देशों के लोग शांति की खोज में हमारे देश में आते हैं। भारत सदियों से संस्कृति और सभ्यतागत लोकाचार का केंद्रबिंदु रहा है। उन्होंने कहा पृथ्वी सिर्फ मनुष्य मात्र के लिए नहीं है। यह धरा सभी प्राणियों के लिए है।

जम्मू-कश्मीर के पुलिस महानिदेशक आर. आर. स्वैन ने कहा

जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई खत्म नहीं हुई है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। जम्मू-कश्मीर के पुलिस महानिदेशक आर. आर. स्वैन ने सोमवार को यहां कहा कि केंद्र शासित प्रदेश में आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई पूरी तरह से खत्म नहीं हुई है और सुरक्षा बलों को भले ही नुकसान पहुंच रहा हो लेकिन हम पीछे नहीं हटेंगे। उन्होंने कहा कि सुरक्षा बल इस क्षति को कम करने का प्रयास कर रहे हैं।

जम्मू-कश्मीर के शीर्ष पुलिस अधिकारी ने कहा, ''अगर आगे बढ़ने की इस चुनौती में हमें नुकसान उठाना पड़े...तब भी हम पीछे नहीं हटेंगे।''

गुरु पर्व के अवसर पर श्रीनगर के छठी पादशाही गुरुद्वारा में मत्था टेकने के बाद स्वैन ने पत्रकारों से कहा, ''यह लड़ाई अभी पूरी तरह से खत्म नहीं हुई है। लड़ाई तभी खत्म होगी जब अन्य पक्ष यह स्वीकार कर लें कि इसमें कोई लाभ नहीं है और यह कदम उन्हें सिवाय खून खराबे के कहीं और नहीं ले जाएगा। जहां तक हमारी लड़ाई का संबंध है तो यह हकीकत है कि क्षति होती है लेकिन इस नुकसान को झेलते हुए हमें आगे बढ़ना होता है। हम इस लड़ाई से पीछे नहीं हट सकते।''

एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि हर साल ठंड के मौसम के दौरान कुछ स्थानों पर घुसपैठ बढ़ती और कुछ स्थानों पर घटती है।

निवेशक न घबराएं, अच्छे बहुमत से सत्ता में लौट रहे हैं मोदी : वित्तमंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के वर्ष 2024 में 'अच्छे बहुमत' के साथ सत्ता में वापसी करने का दावा करते हुए सोमवार को कहा कि इसे लेकर वैश्विक निवेशकों को 'घबराने की जरूरत नहीं है।'

सीतारमण ने यह भी कहा कि सरकार आर्थिक वृद्धि की रफ्तार तेज करने के लिए व्यवस्थागत सुधार लागू करने को प्रतिबद्ध है।

वित्त मंत्री ने 'इंडिया ग्लोबल फोरम' की तरफ से आयोजित एक ऑनलाइन चर्चा में शामिल होते हुए कहा, निवेशकों को अप्रैल-मई 2024 में होने वाले आम चुनावों के नतीजों को लेकर थोड़ा भी घबराने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा, निवेशकों का उम्मीद भरा इंतजार करना सामान्य है और मैं इसे समझ सकती हूं। लेकिन मेरे साथ कई लोगों की भारतीय अर्थव्यवस्था पर नजर है, राजनीतिक माहौल पर नजर है, जमीनी स्तर की वास्तविकताओं को देख रहे हैं। आज स्थिति यही है कि प्रधानमंत्री मोदी वापस आ रहे हैं और अच्छे बहुमत के साथ आ रहे हैं।'

सीतारमण ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने कई पहल की हैं जिससे हर भारतीय के जीवन में बदलाव आया है और कारोबारी माहौल में सुधार हुआ है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि इस सरकार ने एक के लिए नहीं बल्कि सबके लिए काम किया है।

रोजगार के मोर्चे पर उन्होंने कहा कि सरकार हर महीने आयोजित होने वाले रोजगार मेलों के जरिये इस साल दिसंबर तक देश के युवाओं को 10 लाख नौकरियां देने के लिए प्रतिबद्ध है। इनमें से लगभग आठ लाख नौकरियां इस साल अब तक दी जा चुकी हैं। वित्त मंत्री ने जलवायु कार्रवाई के बारे में कहा कि भारत अपने पैसे से इस दिशा में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने जीवाश्म ईंधन की जगह स्वच्छ ऊर्जा अपनाने को वित्तपोषण के लिए उभरती और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं के लिए एक चुनौती बताया।

31 मीटर तक सिलक्यारा सुरंग में लंबवत ड्रिलिंग हुई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

उत्तरकाशी/ भाषा। निर्माणाधीन सिलक्यारा बड़कोट सुरंग में फंसे 41 श्रमिकों को बाहर निकालने के लिए सुरंग के ऊपर से की जा रही लंबवत ड्रिलिंग 31 मीटर तक पहुंच चुकी है। क्षैतिज ड्रिलिंग कर रही ऑगर मशीन के टूटने के बाद वैकल्पिक रास्ता तैयार करने के लिए रविवार को सुरंग के ऊपर से लंबवत ड्रिलिंग शुरू की गयी थी।

सिलक्यारा में बचाव कार्यों की देखरेख कर रहे सीमा सड़क संगठन के पूर्व महानिदेशक हरपाल सिंह ने मंगलवार को बताया कि अब तक 31 मीटर लंबवत ड्रिलिंग की जा चुकी है।

इसके तहत 1.2 मीटर व्यास के पाइपों को लंबवत तरीके से सुरंग के शीर्ष से नीचे की ओर डाला जाएगा। अधिकारियों ने रविवार को बताया था कि सुरंग में फंसे श्रमिकों तक पहुंचने के लिए कुल 86 मीटर लंबवत ड्रिलिंग की जाएगी और इसमें चार दिन का समय लगेगा।

सिंह ने बताया कि ड्रिलिंग के दौरान मलबे में फंस गए, अमेरिकी ऑगर मशीन के शेष बचे हिस्से भी सोमवार को तड़के बाहर निकाल लिए गए जिसके बाद श्रमिकों के लिए पहले से बनाए जा रहे रास्ते को पूरा करने के लिए अब 'मैन्युल ड्रिलिंग' शुरू की जाएगी। उन्होंने बताया कि इसके लिए तैयारियां चल रही हैं।

शुक्रवार को दोपहर में जब 25 टन वजनी ऑगर मशीन टूटी, उस समय तक बचावकर्मी मलबे के अंदर 47 मीटर तक भेद चुके थे और श्रमिकों तक पहुंचने के लिए केवल 1012 मीटर ड्रिल करना ही शेष रह गया था।

श्रद्धांजलि

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सोमवार को नई दिल्ली में सेंट्रल हॉल (संविधान सदन) में पूर्व लोकसभा अध्यक्ष गणेश वासुदेव मावलंकर को उनकी जयंती के अवसर पर श्रद्धांजलि अर्पित की।

ओडिशा : राउरकेला-पुरी वंदे भारत ट्रेन पर पथराव, कोई हताहत नहीं

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा में राउरकेला-पुरी वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन पर पथराव किया गया जिसमें किसी के भी हताहत होने की कोई सूचना नहीं है। पूर्वी तट रेलवे ने सोमवार को एक बयान में बताया कि वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन पर रविवार रात ढेंकनाल-अंगुल रेल खंड में मेरामंडली और बुधपंक स्टेशनों के बीच पथराव हुआ जिसमें किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। बयान के अनुसार, 'कुछ पत्थरबाजों ने ट्रेन संख्या 20835 वंदे भारत एक्सप्रेस को भुवनेश्वर-संबलपुर रेल लाइन के ढेंकनाल-अंगुल रेल खंड में मेरामंडली और बुधपंक के बीच निशाना बनाया।' एक रेलवे अधिकारी ने बताया कि इस घटना में एक्जीक्यूटिव श्रेणी के डिब्बे की एक खिड़की क्षतिग्रस्त हो गई और ट्रेन अपने गंतव्य पुरी तक 13 मिनट देरी से पहुंची।

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

वंशवाद

हम दंश वंश का झेल रहे,
इस लोकतंत्र में निर्विवाद।
सत्ता व्यापार व्यवस्था में,
युग-युग से जारी वंशवाद।
काबिल हो चाहे नाकाबिल,
अधिकारिक होता सदा वाद।
निर्णय देता है सिर्फ वक्त,
होगा विस्मृत या रहे याद।।

अयोध्या में दस लाख ने लगाई आस्था की डुबकी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अयोध्या/वार्ता। भगवान श्रीराम की नगरी अयोध्या में कार्तिक पूर्णिमा मेला पर सोमवार को करीब दस लाख से ज्यादा श्रद्धालुओं ने सरयू नदी में डुबकी लगायी।

प्रसिद्ध कार्तिक पूर्णिमा स्नान पर अयोध्या में श्रद्धालुओं का भारी जनसैलाब उमड़ पड़ा था। लगभग 10 लाख से ज्यादा श्रद्धालुओं ने पतित पावनी सरयू सलिला में आस्था की डुबकी लगाकर पुण्य लाभ अर्जित किया। कार्तिक पूर्णिमा स्नान का शुभ मुहुर्त लगने के साथ ही स्नानार्थियों ने सरयू में स्नान करना प्रारंभ किया। देखते ही देखते सरयू तट पर श्रद्धालुओं का भारी हुजूम उमड़ पड़ा, जिसका तांता टूटने का नाम नही ले रहा था। वहां तिल रखने की रत्ती भर जगह नही बची थी। श्रद्धालु पतित पावनी सरयू सलिला में आस्था की डुबकी लगा रहा थे।

उन्होंने स्नान, दान कर पुण्य लाभ अर्जित किया। सरयू तट पर स्नान, दान का सिलसिला ब्रह्म मुहुर्त से प्रारंभ होकर दोपहर तक चलता रहा। उसके बाद श्रद्धालु दर्शन-पूजन, जलाभिषेक के लिए नागेश्वरनाथ, हनुमानगढ़ी, कनक, श्रीरामजन्मभूमि आदि प्रमुख मठ-मंदिरों की ओर उन्मुख हुए, जहां उन्होंने नागेश्वरनाथ में जलाभिषेक किया। उसके हनुमानगढ़ी, कनक भवन, श्रीरामजन्मभूमि पर विराजमान रामलला समेत अन्य मंदिरों में दर्शन-पूजन कर मत्था टेका। कार्तिक पूर्णिमा स्नान को देखते हुए अयोध्या अभेद्य सुरक्षा घेरे में जकड़ी रही। सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह सुदृढ़ थी।

अमेरिका में भारत के राजदूत संधू के साथ खालिस्तान समर्थकों ने की धक्का-मुक्की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

न्यूयॉर्क/भाषा। अमेरिका में भारत के राजदूत तरणजीत सिंह संधू ने गुरुपर्व के अवसर पर न्यूयॉर्क के लॉन्ग आइलैंड में एक गुरुद्वारे में अरदास की। गुरुद्वारे में खालिस्तान समर्थकों के एक समूह ने उनके साथ धक्का-मुक्की की लेकिन सिख समुदाय के सदस्यों ने उन्हें बाहर निकाल दिया।

संधू ने रविवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, 'लॉन्ग आइलैंड के गुरु नानक दरबार में अफगानिस्तान की संगत सहित स्थानीय संगत के साथ गुरुपर्व मनाने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। इस दौरान कीर्तन सुना, गुरु नानक के एकजुटता, एकता और समानता के शाश्वत संदेश के बारे चर्चा की, लंगर में शामिल हुआ और सभी के लिए आशीर्वाद मांगा।'

खालिस्तानियों के विरोध की आशंका के बीच संधू का हिक्सविले गुरुद्वारे में गर्मजोशी से स्वागत किया गया। सूत्रों ने बताया कि कुछ उपद्रवियों ने उनके साथ धक्का-मुक्की करने की कोशिश की लेकिन सिख समुदाय के सदस्यों ने उन्हें बाहर निकाल दिया।

संधू ने गुरुद्वारे में अपने बयान में सिख समुदाय के सदस्यों को आश्वासन दिया कि अमेरिका में भारतीय राजनयिक उन्हें सभी सहायता और समर्थन प्रदान करेंगे। संधू के साथ इस मौके पर न्यूयॉर्क में महावाणिज्य दूत रणधीर जयसवाल और उप महावाणिज्य दूत वरुण जेफ भी थे।

कार्तिक पूर्णिमा भावयात्रा और चातुर्मास परिवर्तन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुडी के तत्वावधान में गच्छगणिनी साध्वीश्री सुलोचनाश्रीजी म. सा. की निश्रा में सोमवार को कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर श्री शत्रुंजय गिरिराज की भावयात्रा का कार्यक्रम श्री जिन कुशल सूरी जैन आराधना भवन में आयोजित किया गया। गुरुवर्याश्री प्रीतिसुधाश्रीजी और साध्वीश्री प्रियकल्पनाश्रीजी ने शत्रुंजय गिरिराज की भव्य भावयात्रा करवाई जिसमें उपस्थित समस्त सदस्यों ने अपने उत्कृष्ट भावों से दादा आदिनाथ की आराधना की। कार्तिक पूर्णिमा के दिवस द्राविड, वारिखिल्ल के साथ दस करोड़ मुनि शत्रुंजय गिरिराज से मोक्ष गए थे। पूर्णिमा के उपलक्ष्य में श्री जिनदत्त कुशल सूरी जैन सेवा एवं संगीत मंडल की ओर से दादावाड़ी में संध्या भक्ति तथा दोपहर में अखिल भारतीय खरतरगच्छ महिला परिषद् द्वारा दादा गुरुदेव की पूजा भी पढ़ाई गई।

कार्तिक पूर्णिमा की आराधना के पश्चात पूज्य गुरुवर्याश्री चातुर्मास परिवर्तन हेतु रमेश कुमार मनीष कुमार बैद परिवार के निवास स्थान पहुंची जहां मंगल प्रवचन और मांगलिक आयोजित हुआ। साध्वीश्री के चातुर्मास परिवर्तन हेतु सकल संघ से सदस्य उपस्थित थे।

'समय रहते हुए शीघ्रता के साथ धर्माराधना करनी चाहिए'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

राणेबेन्नूर। यहां के श्री सुमतिनाथ जैन श्वेताम्बर संघ चातुर्मास पूर्णाहुति पर चौमासिक चौदस के दिन देववंदन प्रवचन व प्रतिक्रमण जैसी आराधना हुई व कार्तिक पूर्णिमा के दिन सुबह शत्रुंजय पट्ट दर्शन सामूहिक रूप से किए गए। संघ के आराधकों ने आराधना में जुड़कर लाभ लिया। इस दरम्यान मुनियुगलश्री मेरुपद्मसागर एवं अर्हमपद्मसागरजी ने प्रवचन में कहा कि चातुर्मास आने पर भी कुछ लोग बैलगाडी की रफ्तार से ही धर्माराधना करते है जबकि कुछ भाग्यशाली, जीव गुरु देवों की प्रेरणा पाकर ट्रेन तथा हवाई जहाज की रफ्तार से धर्म राधना में आगे बढ जाते हैं।

भवोभव में इस जीव ने प्रायः जीवन की रातें सोकर गुजारी है और दिन खाकर गुजारे है। हीरे जैसा जन्म लेकिन कोयले जैसे उसे जाने दिया। भगवान महावीर का उपदेश गुरु मुख से जिसने ध्यान से सुना फिर गुना वो लोग ही पापों को घटा पाते है। यही चातुर्मास का समय धर्मी हैं। जनों को धर्म करने के लिए योग्य माना जाता है, क्योंकि चातुर्मास में सांसारिक व्यवहारक के कार्य सामान्य तया किए नहीं जाते है अत: शांति पूर्वक धर्माराधना होती है।

गुरु भगवंतों के मार्गदर्शन से प्रेरणा मिलने से कई प्रकार के पाप व्यसनादि भी छूट जाते है। कई प्रकार के व्रत प्रतिज्ञा तप त्याग पूर्वक यह चातुर्मास धर्माराधना से उपलब्धियों भरा संपन्न हो रहा है।

राजस्थान परिषद का दीपावली स्नेह मिलन सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां कुम्बलगोडु स्थित आचार्य तुलसी महाप्रज्ञ सेवा चेतना केन्द्र में राजस्थान परिषद का दीपावली स्नेह मिलन का शुभारंभ नवकार महामंत्र से हुआ। अध्यक्ष ललित सेठिया ने सभी का स्वागत किया। एकता साह ने फ़िल्मी गीतों की प्रस्तुति दी। राकेश छाजेर ने प्राइज सत्र का संचालन किया जिसमें 178 सदस्य प्राइज विजेता रहे। प्राइज प्रायोजक गुरु पुण्यवानी प्रॉपर्टीज़ से संजय बैद, विकास जितेंद्र लोढ़ा, गुलाब देवी छाजेड़, अमित नाहटा का सम्मान किया गया। बच्चों के लिए गेम्स रखे गए। कार्यक्रम के आयोजन में उपाध्यक्ष उम्मेद नहाटा, प्रकाश कुण्डलिया, संजय बैद, सहमंत्री रणजीत राखेचा, सहमंत्री राजेश भंसाली, संगठन मंत्री राजेश छाजेड़, संयोजक आलोक सेठिया, ऋषभ बाराडिया, शांतिलाल पटवारी, राजेंद्र बैद एवं अन्य कार्यकर्ताओं का सहयोग प्राप्त हुआ। कार्यक्रम में पूर्व अध्यक्ष बहादुर सेठिया, सूरज चिंडलिया, सुशील चोररिया, तेरापंथ सभा अध्यक्ष कमल सिंह दुगड़ की विशेष उपस्थिति रही। कार्यक्रम का संचालन मंत्री विनय बैद ने किया

जोधपुर एसोसिएशन ने मनाया दीपावली मिलन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जोधपुर एसोसिएशन का दीपावली स्नेह मिलन रविवार को माइक्रो लैब्स फार्म हाउस में सम्पन्न हुआ। मंगलाचरण के पश्चात अध्यक्ष राजेंद्र सिंघी ने सभी का स्वागत किया और मानद मंत्री जितेंद्र दुगड़ ने समारोह की कमान संभाली। वरिष्ठ सदस्य महेन्द्र भण्डारी के आकस्मिक निधन पर मौन रखकर सभी ने श्रद्धा सुमन व्यक्त किये।

पूर्व मंत्री सज्जन राज मेहता ने बताया कि संरक्षक लक्ष्मीचंद भंडारी, पूर्व मंत्री कैलाश भंसाली, मंत्री जितेन्द्र दुगड़ का अहम सामाजिक योगदान के लिए संरक्षक धीरेन्द्र कुमार, लक्ष्मी चंद भण्डारी, राजेन्द्र लोढा, पूर्व अध्यक्ष अशोक व्यास, पूर्व मंत्री सज्जन राज मेहता, उपाध्यक्ष रविन्द्र राज भण्डारी ने विशेष सम्मान किया।

प्रतिभावान छात्र छात्राओं साची सिंघवी, केतन सिंघवी, भव्य कोठारी, छवि एस जैन का बहुमान सहमंत्री कमलराज केवलराज भण्डारी के सौजन्य से प्रायोजक राकेश भण्डारी, डॉ शालिनी गादिया, दीप्ति धारीवाल एवं दीप्ति अरविंद, कोषाध्यक्ष प्रशान्त सिंघी, और मंचासीन पदाधिकारी गण ने किया। दीवाली बम्पर लकी ड्रा आकर्षण का केंद्र बिंदु रहा और विजेताओं को इनाम बांटे गए। फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता एवं गेम्स का संचालन अंजू दुगड़ के नेतृत्व में सहयोगी प्रिया सिंघवी, शशि सिंघी, रेशु बैद, यश दुगड़ एवं अंकुश मेहता ने किया। स्वरुचि भोज का प्रबंधन राजेश भण्डारी, महेन्द्र भण्डारी, वीरेन्द्र भण्डारी और बस व्यवस्था का जिम्मा सुनील पारख ने बखुबी निभाया। प्रायोजक परिवार राकेश भण्डारी एवं तीनो बहनें डॉ शालिनी, दीप्ति धारीवाल और डॉ तृप्ति का अभिनंदन किया गया। माइक्रो लैब्स परिवार के दिलीप सुराणा और अर्चना सुराणा का उनके सहयोग के लिए आभार एवं समूचे स्नेह मिलन कार्यक्रम का संचालन मंत्री जितेंद्र दुगड़ ने किया। स्नेहमिलन यादगार रहा और जोधपुरी व्यंजनों का सभी लुत्फ उठाया।

मायुमं रक्तदान शिविर में संग्रहित हुआ 25 यूनिट रक्त

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के केंगेरी स्थित वीबीएचसी पामहेवन अपार्टमेन्ट के क्लब हाउस में मारवाड़ी युवा मंच बेंगलूरु शाखा द्वारा वीबीएचसी पामहेवन अपार्टमेन्ट ऑनर्स एसोसिएशन व नारायणा हृदयालय ब्लड सेंटर के सहयोग से रक्तदान शिविर का आयोजन रविवार 26 नवंबर को किया गयाय जिसमें कुल मिलाकर 25 यूनिट रक्त का संग्रह हुआ। इस रक्तदान शिविर समारोह में मंच के सचिव स्नेहकुमार जाजू ने सभी का स्वागत किया।

सचिव ने आज की परिस्थिति में रक्तदान की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। संयोजक तनुज टेकरीवाल ने रक्तदान शिविर की रुप रेखा पेश की। इस रक्तदान शिविर में वीबीएचसी पामहेवन अपार्टमेन्ट के निवासियों ने बढ़चढ़ कर भाग किया। वीबीएचसी पामहेवन अपार्टमेन्ट ऑनर्स एसोसिएशन के संयोजक अनिल शर्मा और शिव यादव थे। साथ ही मंच के युवाओं ने उत्साह से रक्तदान किया। इस अवसर पर मायुमं बेंगलूरु के प्रांतीय उपाध्यक्ष जोन-1 गोपाल कुमार, सचिव स्नेहकुमार जाजू, कोषाध्यक्ष गौरव शर्मा, संयोजक तनुज टेकरीवाल सहित पवन राजलीवाल, लक्ष्य तुलस्यान आदि उपस्थित थे।

कर्नाटक मारवाड़ी समाज का दीपावली स्नेह मिलन सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक मारवाड़ी समाज द्वारा के.जी.रोड स्थित एफकेसीसीआई बिल्डिंग के सभागार में 26 नवम्बर को दीवाली स्नेह मिलन का आयोजन किया गया। सर्व प्रथम कर्नाटक मारवाड़ी समाज के अध्यक्ष विकास बालोदिया, सचिव प्रभात यादुका, कोषाध्यक्ष तरुण चांदगोथिया, उपाध्यक्ष प्रवीण तुलस्यान, सह सचिव प्रशांत टिबड़ेवाल व पूर्व अध्यक्ष आनन्द पोद्दार, बिमल कुमार सरावगी, आनन्द अग्रवाल व महिला विंग की अध्यक्ष कांता बंका ने द्वीप प्रज्ज्वलित किया। तत्पश्चात महिला विंग की सदस्यों द्वारा अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति पर उपस्थित सदस्यो ने भरपूर आनन्द लिया। म्युजिकल तम्बोला खेल का आयोजन किया गया। तथा समाज के मेधावी छात्र छात्राओं को पुरस्कार से सम्मानित किया गया। अध्यक्ष विकास बालोदिया ने दिवाली ओर छठ पूजा की शुभकामनाएं देते हुए सभी का अभिनन्दन किया। सचिव प्रभात यादुका ने आभार प्रकट किया और सभी के सहयोग की सहराना की।

स्कूली बच्चों को हेलमेट बांटकर दिया सड़क सुरक्षा और जागरूकता का संदेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद। 'राइड टू सेफ्टी' अभियान के तहत सोमवार को आईसीआईसीआई लोम्बार्ड जनरल इंश्योरेंस कंपनी लि. ने ट्रैक्स एस सोसाइटी के सहयोग से न्यू पुपिल्स टेक्नो हाई स्कूल में 82 हेलमेट बांटे। इस अवसर पर ट्रैक्स एस सोसाइटी के परियोजना अधिकारी राजेश नीमकर ने कहा कि दोपहिया वाहन चलाते समय चालक के साथ उसके पीछे बैठने वाले को भी हेलमेट पहनना चाहिए।

न्यू पुपिल्स स्कूल के प्रधानाचार्य ओवैस खान ने सड़क सुरक्षा व जागरूकता कार्यक्रम के लिए ट्रैक्स एस सोसाइटी के प्रयासों की सराहना की और हेलमेट प्रदान करने के लिए आईसीआईसीआई लोम्बार्ड जनरल इंश्योरेंस को धन्यवाद दिया। इस अवसर पर मो. रशीद भी मौजूद थे। कार्यशाला के बाद स्कूली बच्चों के अलावा उनके अभिभावकों को भी हेलमेट वितरित किए गए। हेलमेट वितरण के बाद सामूहिक फोटो सत्र हुआ। इससे पहले, 11 नवंबर को इक़रा हाई स्कूल में ऐसा कार्यक्रम हुआ था और 668 हेलमेट वितरित किए गए थे। वहीं, 25 नवंबर को इक़रा टैलेंट हाई स्कूल में 224 हेलमेट वितरित किए गए थे। अन्य स्कूलों में भी ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

चौथमल महाराज का जीवन सूर्य की तरह प्रकाशमान रहा : डॉ. प्रतिभाश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अक्कीपेट के तत्वावधान में अक्कीपेट स्थानक में विराजित महासाध्वी डॉ प्रतिभाश्रीजी म. सा. ने जगतवल्लभ जैन दिवाकर प्रसिद्ध वक्ता चौथमलजी महाराज की जन्म जयंती पर गुणगान करते हुए कहा कि उनका जीवन सूर्य की तरह प्रकाशमान है।

जिनकी महिमा पूरे भारतवर्ष में सूर्य की किरणों की तरह बिखर रही है। उन्होंने मालवा की धरती पर जन्म लेकर चौरडिया और जैन कुल का नाम रोशन किया। उनकी वाणी में ओज था तेज था मधुरता थी। जो भी एक बार उनकी वाणी सुनता था वह उनका कायल हो जाता था। मंत्रमुग्ध हो जाता था। उनका त्याग और तपस्यामय जीवन वंदनीय और अर्चनीय था।

आज कृतज्ञा ज्ञापन समारोह का अवसर था। संघ के सभी सदस्यों श्रावक श्राविकाओं ने महासतीजी कि पूरे चातुर्मास में जिनवाणी श्रवण एवं त्याग तपस्या जप तप आदि धार्मिक क्रिया करवाने हेतु कृतज्ञता ज्ञापित की।गौतम बागरेचा, नवकार विजय संगीत मंडल की रेखा देवड़ा आदि सदस्यों ने विदाई गीत प्रस्तुत किये। प्रतिभा बालिका मंडल की बालिकाओं ने सुंदर नाटिका प्रस्तुत की।

महावीर भंसाली, मनोज पालरेचा, मिस्टी भूरट, कविता ढेलड़िया, विनय कानुंगा, संघ के अध्यक्ष नेमीचंद सालेचा, संघ के मंत्री सुरेश कानुंगा, बबीता श्रीश्रीमाल, महावीर मेहता, लीलाबाई लूंकड, खीमराज सालेचा, प्रभा सालेचा, दमयंती लुंकड़, हनुमान चोपड़ा, तारा पितलिया, पूनम बाफना, मल्लिका कातरेला आदि ने अपने भाव प्रकट किए। सहमंत्री विनोद भूरट ने संचालन किया।

पारीक समाज कर्नाटक ने मनाया दिवाली स्नेह मिलन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय पारीक समाज कर्नाटक ने टुमकुर रोड स्थित भिक्षु धाम में रविवार को दिवाली स्नेह मिलन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर समाज के अध्यक्ष पृथ्वीराज पारीक एवं कार्यकारिणी सदस्यों द्वारा ऋषिश्री पराशर भगवान के चित्र के समक्ष पूजनकर कार्यक्रम की शुरूआत की।

अध्यक्ष ने आगंतुकों का दीवाली की बधाई एवं शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर मेघावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। युवाओं ने आजादी महोत्सव व अमृत महोत्सव पर चुनौतियाँ को अपने उद्बोधन में बताया कि सनातन प्रेमियों को एकजुटता के साथ मिलकर सनातन धर्म की रक्षा के लिए काम करना होगा। बच्चों व महिलाओं द्वरा अनेक सांस्कृतिक प्रोग्राम की प्रस्तुति दी गयी। उपाध्यक्ष कैलाश जोशी, सचिव रामवतार पारीक ,कोषाध्यक्ष राधेश्याम पारीक, सह कोषाध्यक्ष विष्णु पारीक के साथ पूर्व अध्यक्ष सत्यनारायण पारीक, सुरेश पारीक, लालजी पुरोहित, पुखराज तिवाड़ी, रामकिशोर तिवाड़ी, मनोज पारीक सहित बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। मंच का संचालन विमलेश जोशी ने किया।

नकली टिकट का उपयोग करने के आरोप में बेंगलुरु हवाई अड्डे पर महिला गिरफ्तार

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। दोस्त को विदा करने के लिए फर्जी हवाई टिकट पेश करने के बाद बेंगलुरु अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर प्रवेश करने के आरोप में एक महिला को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने सोमवार को बताया कि महिला की पहचान हरपित कौर सैनी के रूप में हुई है। आरोपी फर्जी एयर टिकट के जरिए अपने दोस्त आयुष शर्मा के साथ एयरपोर्ट पर दाखिल हुई थी। वह अपने साथ जा रहे व्यक्ति को विदाई देने के लिए सुरक्षा जांच (पीईएससी) के लिए आगे बढ़ी। बाद में वह वापस लौटी और दावा किया कि उसका लैपटॉप खो गया है। सुरक्षाकर्मियों को शक हुआ और उन्होंने उसका टिकट चेक किया। उन्हें पता चला कि यह एक नकली टिकट था। उन्होंने बेंगलुरु अंतर्राष्ट्रीय हवाईअड्डा पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने इस संबंध में एफआईआर दर्ज कर ली है और फिलहाल मामले की जांच कर रही है।

प्रारंभिक जांच में पता चला है कि सुरक्षाकर्मियों ने आरोपी महिला को निर्देश दिया था कि वह एयरलाइन के माध्यम से टिकट रद्द कर दे, अन्यथा उसे जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। इसके बाद वह निजी एयरलाइन कंपनी के कियोस्क पर गईं, जहां पुष्टि हुई कि टिकट वास्तव में नकली था।

ब्याजखोर के उत्पीड़न से परेशान परिवार के पांच सदस्यों ने लगाई फांसी

तुमकुरु/दक्षिण भारत। प्रारंभिक जांच से पता चला है कि अत्यधिक ब्याज दरों और उत्पीड़न के कारण कर्नाटक के तुमकुरु जिले में एक ही परिवार के पांच लोगों ने आत्महत्या की घटना हुई, पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। यह घटना तुमकुरु शहर में रविवार रात सामने आई और पुलिस ने पांच आरोपियों को हिरासत में ले लिया है और उनसे पूछताछ कर रही है। जांच में पता चला कि परिवार पर आरोपी का 1.5 लाख रुपये बकाया था। तुमकुरु शहर के सदाशिवनगर इलाके में कबाब विक्रेता गरीब साब (36), उनकी पत्नी सुमैया (32), बेटी हजीरा (14), बेटे मोहम्मद शभान (10) और मोहम्मद मुनीर (8) के शव उनके आवास पर लटके हुए पाए गए। गरीब साब ने अपनी जिंदगी खत्म करने से 5.22 मिनट पहले दो पन्नों का डेथ नोट छोड़ा था और एक वीडियो भी बनाया था। वीडियो में, उन्होंने बताया कि कैसे उसी इमारत के भूतल में रहने वाले व्यक्ति और उसके परिवार के सदस्यों ने उनके परिवार को प्रताड़ित किया और उन्हें चरम कदम उठाने के लिए प्रेरित किया।

'जनता दर्शन': मुख्यमंत्री ने लापरवाह अधिकारियों को फटकार लगाई

'जिन समस्याओं का समाधान जिला स्तर पर होना चाहिए, वे बेंगलूरु नहीं पहुंचनी चाहिएं'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने यहां 'जनता दर्शन' कार्यक्रम में आम लोगों की समस्याएं सुनते हुए लापरवाह अधिकारियों को फटकार भी लगाई। उन्होंने कहा कि जिन समस्याओं का समाधान जिला स्तर पर होना चाहिए, वे बेंगलूरु तक नहीं पहुंचनी चाहिएं। अगर वे पहुंचीं तो यह आपकी विफलता है, जिसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने जिला स्तरीय अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर लोग पैसे खर्च करके बेंगलूरु आते हैं, तो इसका मतलब आपकी विफलता है। उन्होंने कहा कि देरी भी भ्रष्टाचार का दूसरा रूप है।मुख्यमंत्री ने कहा कि मैंने सभी जिला मंत्रियों को पत्र लिखा था। जिलों में एक सार्वजनिक प्रतिक्रिया कार्यक्रम आयोजित करने और रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए कहा गया था। कुछ ही जिलों ने रिपोर्ट दी हैं। अन्य जिलों से कोई रिपोर्ट प्राप्त नहीं हुई है। इसे बर्दाश्त नहीं किया जा सकता।

'जनता स्पंदन' अधिकारी कई समस्याओं का समाधान मौके पर ही करने में सक्षम हैं। कुछ आवेदनों पर तुरंत निर्णय नहीं लिया जा सकता है। समय की जरूरत होती है। अधिकारियों को लोगों की समस्याओं पर त्वरित प्रतिक्रिया देनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज प्राप्त अधिकांश आवेदन राजस्व, पुलिस विभाग, गृह लक्ष्मी योजना, बीबीएमपी, पेंशन, ग्रेच्युटी निपटान, आवास, रोजगार से संबंधित थे। खासकर दिव्यांगों ने रोजगार और तिपहिया वाहन के लिए आवेदन दिया है। चार हजार ट्राइसाइकिल प्रदान की गई हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि खासकर जिला कलेक्टर स्थानीय स्तर पर ही समस्या का समाधान कर सकते हैं। यदि जिला कलेक्टर, तहसीलदार, उपविभागीय अधिकारी काम करेंगे तो लोग बेंगलूरु आने से बच सकेंगे।

मैंने राजस्व विभाग के प्रमुख सचिव को सभी जिला कलेक्टरों को सख्त निर्देश जारी करने के लिए कहा है। जिला प्रभारी सचिव अस्पताल, थाना, छात्रावास एवं अन्य स्थानों का दौरा करें। लोगों की समस्याओं का समाधान होना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि देरी से भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिलता है, इसलिए लोगों को तुरंत प्रतिक्रिया देने का निर्देश दिया है। आज प्राप्त आवेदन संबंधित अधिकारियों को भेजे जाएंगे। इन्हें एक पखवाड़े के भीतर निस्तारित किया जाना चाहिए। यदि नियमों के तहत कोई प्रावधान नहीं है तो इसे वापस लिखा जाना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आपको निचले अधिकारियों को तुरंत जवाब देना चाहिए। कम से कम तीन महीने में एक बार जनता स्पंदन कार्यक्रम करूंगा। अगली बार ज्यादा लोग आए तो निचले स्तर के अधिकारियों द्वारा अपना काम ठीक से नहीं करने पर गौर किया जाएगा और लापरवाह अधिकारियों पर कार्रवाई की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज साढ़े तीन हजार आवेदन प्राप्त हुए हैं। इनकी जांच होनी चाहिए और कानूनी समाधान दिया जाना चाहिए। यदि यह संभव न हो तो इसे वापस लिखना चाहिए। आवेदन का निपटारा जमीनी स्तर के अधिकारियों द्वारा किया गया है या नहीं, इसकी जानकारी मुख्यमंत्री कार्यालय को दी जाए।

मुख्यमंत्री के 'जनता दर्शन' कार्यक्रम में उमड़े लोग, दर्ज कराईं शिकायतें

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। मुख्यमंत्री सिद्दरामैया का पहला 'जनता दर्शन' कार्यक्रम कृष्णा स्थित मुख्यमंत्री गृह कार्यालय में आयोजित किया गया। इस दौरान जनता ने मुख्यमंत्री के समक्ष अपनी शिकायतें प्रस्तुत कीं। इस आयोजन में बड़ी संख्या में लोग आए और उन्होंने अपनी शिकायतें दीं। इनमें जमीन, प्लॉट, मकान, संपत्ति, स्वास्थ्य समेत विभिन्न विषयों को लेकर प्रार्थनापत्र पेश किए गए। बता दें कि इस आयोजन में राज्य के सभी विभागों के सचिव एवं प्रमुख मौके पर मौजूद रहते हैं और शिकायतों पर कार्रवाई की जाती है। जनता को व्यक्तिगत रूप से / घर बैठे शिकायत दर्ज करने की अनुमति है। लोग घर बैठे अपनी शिकायत दर्ज करा सकें, इसके लिए एक अलग क्यूआर कोड बनाया गया है। इसे स्कैन कर शिकायत प्रस्तुत की जा सकती है।

जनता से व्यक्तिगत / ऑनलाइन प्राप्त शिकायतों / परिवादों को एकीकृत लोक शिकायत निवारण प्रणाली में पंजीकृत किया जाता है तथा पावती जारी करने की व्यवस्था की जाती है।

जनता एकीकृत लोक शिकायत निवारण प्रणाली में पावती संख्या का उपयोग करके या 1902 नंबर पर कॉल करके अपनी शिकायत की स्थिति की जांच कर सकती है।

प्राप्त शिकायतों को विषय के आधार पर तुरंत संबंधित विभागों / सहायक संस्थानों के अधिकारियों के लॉग इन पर भेज दिया जाता है। मुख्यमंत्री के 'जनता दर्शन' में प्राप्त शिकायतों को संबंधित विभागीय सचिवों के ई-ऑफिस लॉग इन पर स्वचालित रूप से भेजने की व्यवस्था लागू की गई है। ई-ऑफिस में उक्त फाइल के संचालन के प्रत्येक चरण की जानकारी एकीकृत लोक शिकायत निवारण प्रणाली को एपीआई के माध्यम से उपलब्ध कराई जाती है। प्राप्त रिपोर्टों की प्रगति की जांच के लिए एक अलग डैशबोर्ड विकसित किया गया है। इस डैशबोर्ड में विभाग / जिलावार प्राप्त शिकायतों और रिपोर्टों की संख्या, निस्तारित और लंबित शिकायतों और रिपोर्टों का विवरण उपलब्ध है।

गुरु नानकदेवजी के विचार दुनिया में शांति, समानता को बढ़ावा देने में मदद करेंगे : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने कहा कि गुरु नानकदेवजी का जीवन दर्शन, उनके धार्मिक और सामाजिक सुधार, कर्तव्य के प्रति समर्पण, मानव जाति के लिए प्रेम, सद्भावना, ईश्वर में विश्वास और संपूर्ण भारतीय संस्कृति के लिए एक अनमोल खजाना हैं। राज्यपाल ने सोमवार को हलसुर में श्री गुरु सिंह सभा का दौरा किया और गुरु नानकजी को नमन किया।

उन्होंने कहा, मैं, गुरु नानक देवजी को उनकी जयंती पर नमन करता हूं और सभी को प्रकाश पर्व की शुभकामनाएं देता हूं। यह पर्व सभी के जीवन को रोशनी से भर दे। यह दिन गुरु नानक देवजी के न्यायपूर्ण, समावेशी और सामंजस्यपूर्ण समाज के सपने को साकार करने के लिए खुद को फिर से समर्पित करने का दिन है। गुरु नानकदेवजी ने अपने जीवन में समाज को सामाजिक-आर्थिक, लौकिक-पारलौकिक और आध्यात्मिक शुद्धता की सार्वभौमिक व्यावहारिक उपलब्धि के माध्यम से सद्भाव, शांति और सद्भाव को बढ़ावा देने का दर्शन दिया।

भगवान का नाम जपें, कड़ी मेहनत करें और जरूरतमंदों की मदद करें। गुरु नानक देव ने कहा कि उनके विचार दुनियाभर में शांति, समानता और समृद्धि को बढ़ावा देने में मदद करेंगे।

गुरु नानक देवजी ने नाम जपो, किरत करो, वंड छको का संदेश दिया, जिसका अर्थ है - भगवान का नाम जपें, कड़ी मेहनत करें और जरूरतमंदों की मदद करें। गुरु नानक देव ने कहा कि उनके विचार दुनियाभर में शांति, समानता और समृद्धि को बढ़ावा देने में मदद करेंगे।

उन्होंने कहा कि तीर्थयात्रा के दौरान गुरु साहब बीदर आए थे और वहां पेयजल की समस्या का समाधान किया, जिसे आज हम गुरुद्वारा श्री गुरु नानक जीरा साहिब कहते हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें कई बार उस पवित्र स्थान पर जाने और गुरुद्वारे में मत्था टेकने का सौभाग्य मिला है। गुरु नानक देवजी ने हमें मार्गदर्शन में चलने, खुश रहने, दूसरों को खुश करने, प्रार्थना करने, सेवा करने और धर्म की रक्षा के लिए प्रयास करने का उपदेश दिया था। इस अवसर पर श्रीगुरु सिंह सभा के अध्यक्ष जसबीर सिंह डोडी आदि गणमान्य लोग उपस्थित थे।

उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार को विदेश यात्रा की अदालत ने अनुमति दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली/बेंगलूरु। दिल्ली की एक अदालत ने धन शोधन मामले में आरोपी कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार को विदेश यात्रा की अनुमति दे दी है। विशेष न्यायाधीश विकास ढुल ने कांग्रेस नेता शिवकुमार को उनके द्वारा दायर एक अर्जी पर 29 नवंबर से 3 दिसंबर तक दुबई की यात्रा करने की अनुमति दी। अर्जी में दावा किया गया कि उन्हें सीओपी28 के नामित अध्यक्ष डॉ. सुल्तान अहमद अल जाबेर और जलवायु महत्वाकांक्षा और समाधान पर संयुक्त राष्ट्र महासचिव के विशेष दूत माइकल आर ब्लूमबर्ग द्वारा दुबई में आगामी सीओपी28 जलवायु कार्रवाई शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया है। सीओपी संयुक्त राष्ट्र द्वारा आयोजित एक वार्षिक अंतरराष्ट्रीय जलवायु शिखर सम्मेलन है।

न्यायाधीश ने 25 नवंबर को एक आदेश में कहा, यह कानून का स्थापित सिद्धांत है कि विदेश यात्रा का अधिकार भारत के संविधान के अनुच्छेद 21 के अनुसार व्यक्तिगत स्वतंत्रता का हिस्सा है। हालांकि, ऐसा अधिकार बिना शर्त नहीं है और उस पर उचित प्रतिबंध लगाया जा सकता है। आदेश में कहा गया, जो प्रतिबंध लगाए जा सकते हैं उनमें से एक जांच या मुकदमे के दौरान उक्त अधिकार पर अंकुश लगाना है यदि ऐसा प्रतीत होता है कि आरोपी के फरार होने की संभावना है और वह मुकदमे का सामना करने के लिए उपलब्ध नहीं होगा।

यह उल्लेख करते हुए कि आरोपी कर्नाटक से आठ बार विधायक रहा है, जहां वह वर्तमान में उपमुख्यमंत्री के रूप में कार्यरत है, न्यायाधीश ने कहा कि उसके भारत से भागने की आशंका काफी कम है। न्यायाधीश ने कहा, तथ्यों और परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए याचिकाकर्ता की अर्जी को अनुमति देने में कोई अड़चन नहीं है।

हालांकि, न्यायाधीश ने आरोपी पर कई शर्तें लगाईं, जिसमें यह भी शामिल है कि उन्हें अपनी यात्रा से पहले अदालत के समक्ष 5 लाख रुपये की सावधि जमा रसीद (एफडीआर) और एक टेलीफोन या मोबाइल नंबर के साथ अपनी पूरी यात्रा कार्यक्रम का ब्योरा दाखिल करेगा। न्यायाधीश ने कहा, आरोपी विदेश यात्रा के दौरान किसी भी सह-आरोपियों से संपर्क करने की कोशिश नहीं करेगा या वर्तमान मामले से जुड़े किसी भी गवाह को प्रभावित करने की कोशिश नहीं करेगा।

बेंगलूरु के यशवंतपुर को विश्व स्तरीय रेलवे स्टेशन के रूप में विकसित किया जा रहा है: वैष्णव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भाषा। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सोमवार को कहा कि बेंगलूरु में यशवंतपुर रेलवे स्टेशन को 377 करोड़ रुपये के निवेश के साथ विश्व स्तरीय स्टेशन के रूप में विकसित किया जा रहा है।

वैष्णव ने कार्य की समीक्षा के बाद संवाददाताओं से कहा कि रेलवे स्टेशन की छत पर प्लाजा होगा जिसमें बच्चों के खेलने और उत्पादों की बिक्री का स्थान होगा।

रेल मंत्री ने इसे देश के महत्वपूर्ण रेलवे स्टेशनों में से एक बताते हुए कहा कि यह स्टेशन बेंगलूरु (सिटी स्टेशन), हसन, तुमकुरु, हुबली-धारवाड़ और दिल्ली से आने वाली ट्रेनों का यातायात संभालेगा।

उन्होंने कहा कि यशवंतपुर में एक बड़ा पुनर्विकास कार्य शुरू किया गया है जहां इसे विश्व स्तरीय रेलवे स्टेशन बनाने के लिए 377 करोड़ रुपये का निवेश किया जा रहा है।

वैष्णव ने कहा,'स्टेशन के दोनों भागों को जोड़ दिया जाएगा। दोनों तरफ से प्रवेश हो सकेगा और इसकी छत पर एक प्लाजा होगा। इस चौड़े और बड़े प्लाजा पर लोग आराम कर सकते हैं, बच्चे खेल सकते हैं, स्थानीय उत्पादों को प्रदर्शित किया और बेचा जा सकता है। जैसा हमने दुनियाभर में देखा है, उसी तरह के रेलवे स्टेशन के रूप में यशवंतपुर को विकसित किया जा रहा है।'

रेल मंत्री के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का शहर के दोनों किनारों को रेलवे स्टेशन के माध्यम से जोड़ने का सपना साकार हो रहा है।

उन्होंने रेलवे दल को सोमवार को यह भी सूचित किया था कि यह स्टेशन आने वाले 20-30 वर्षों में भारी यातायात को संभालेगा क्योंकि इससे उपनगरीय, मुख्य रेलवे लाइन और मेट्रो जुड़ रही हैं।

वैष्णव ने कहा, आने वाले वर्षों में अतिरिक्त यातायात को संभालने के लिए हमें जमीन उपलब्ध रखनी चाहिए। अगर कहीं एक मीटर भी जमीन उपलब्ध हैं तो उसे भविष्य में विस्तार के लिए खाली रखा जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि जहां भी संभव हो रेलवे को 'मास्टर प्लान' इस तरह से बनाने के प्रयास करना चाहिए जिससे वर्तमान में विस्तार हो सके।

चुनाव के बाद कांग्रेस और भाजपा दोनों ही कर रही हैं जीत का दावा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में विधानसभा आम चुनाव-2023 के मतदान के बाद अब प्रमुख राजनीतिक दल कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) दोनों ही दल अपनी अपनी जीत का दावा कर रहे हैं। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने दावा करते हुए मीडिया से कहा कि इस चुनाव में कांग्रेस स्पष्ट बहुमत के साथ फिर सत्ता में आ रही हैं। इसी तरह भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सी पी जोशी ने भी दावा किया है कि भाजपा प्रचंड बहुमत के साथ यह चुनाव जीतेगी। उन्होंने सोमवार को यहां मीडिया से कहा कि इस चुनाव में भाजपा को जनता का विश्वास एवं जोरदार समर्थन मिला है। जोशी ने कहा कि अब जनता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भाजपा के साथ चल पड़ी है और उसने मोदी और कमल पर विश्वास किया है। उन्होंने कहा कि कमल पर यही विश्वास वर्ष 2019 में देखने को मिला था जब लोग घर से चलकर मतदान केन्द्र पर अपना वोट देने पहुंचे और वैसा ही विश्वास इस चुनाव में भी दिखा है। उन्होंने कहा कि इस बार ऐतिहासिक मतदान कई वर्षों बाद हुआ है। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि इस चुनाव में कांग्रेस ने कई तरीके एवं हथकंडे के प्रयास किए और अंतिम समय तक कई फर्जी आईडी भी बनाई गई लेकिन इस बार जनता ने भाजपा के पक्ष में और कांग्रेस की विदाई का मन बना लिया था।

अब जनता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भाजपा के साथ चल पड़ी है और उसने मोदी और कमल पर विश्वास किया है। कमल पर यही विश्वास वर्ष 2019 में देखने को मिला था जब लोग घर से चलकर मतदान केन्द्र पर अपना वोट देने पहुंचे और वैसा ही विश्वास इस चुनाव में भी दिखा है।

उन्होंने कहा कि इस चुनाव में जनता ने कमल के निशान और भाजपा की डबल इंजन की सरकार पर विश्वास जताया है और किसान कर्ज माफ नहीं करने, पेपरलीक लीक और महिलाओं की सुरक्षा नहीं करने के प्रति लोगों ने गुस्सा भी जताया है। उन्होंने कहा कि मोदीजी ने जो कहा, वह करके दिखाया हैं जबकि वादाखिलाफी करने वालों को राजस्थान की जनता कभी माफ नहीं करेगी। इसी तरह भाजपा के प्रदेश प्रभारी अरुण सिंह ने भाजपा की प्रचंड जीत का दावा करते हुए कहा कि इस चुनाव में भाजपा के कार्यकर्ताओं की मेहनत है कि इस बार इतना प्रतिशत में मतदान हुआ। इससे भाजपा प्रदेश में प्रचंड बहुमत से चुनाव जीत रही हैं।

उन्होंने कहा कि इस चुनाव प्रचार में मोदी की सभाओं के बाद भाजपा के पक्ष में माहौल बना और जनता भाजपा के साथ खड़ी रही। उन्होंने कहा कि लोग भाजपा के पक्ष में मतदान करने को उत्सक थे और कांग्रेस के पक्ष में निराशा थी, इसलिए यह ऐतहासिक मतदान हुआ। नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र सिंह राठौड़ ने दावा करते हुए कहा कि इस चुनाव में भाजपा भारी बहुमत के साथ चुनाव जीत रही है।

पूनिया ने पूर्व विधायक कैलाश भंसाली को श्रद्धाजंलि अर्पित की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। राजस्थान में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं उपनेता प्रतिपक्ष डा सतीश पूनिया ने पूर्व विधायक एवं वरिष्ठ नेता कैलाश भंसाली को सोमवार को यहां उनके निवास पर श्रद्धाजंलि अर्पित की। डा पूनिया ने भंसाली के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। उन्होंने उनके निधन पर शोक व्यक्त करते हुए उनके परिजनों को ढांढस बंधाया।

इसके बाद डा पूनिया जोधपुर एम्स अस्पताल पहुंचकर पार्टी की वरिष्ठ नेता एवं विधायक सूर्यकांता व्यास से मुलाकात कर उनकी कुशलक्षेम पूछी। उन्होंन ईश्वर से उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

पुष्कर में कार्तिक पूर्णिमा पर श्रद्धालुओं ने पंचतीर्थ स्नान किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अजमेर। राजस्थान में अजमेर के तीर्थराज पुष्कर में आज कार्तिक मास की पावन पूर्णिमा पर महास्नान के साथ ही पंचतीर्थ स्नान एवं धार्मिक मेला सम्पन्न हो गया। हालांकि पवित्र स्नान का दौर दिन भर चलेगा। पुष्कर के पवित्र सरोवर में कार्तिक स्नान के मौके पर तेज ठंड सर्द हवाओं के बावजूद हजारों श्रद्धालुओं ने आस्था की डूबकी लगाई। पवित्र सरोवर के सभी 52 घाटों पर श्रद्धालुओं ने मध्यरात्रि से ही डेरा डालना शुरू कर दिया और मध्य रात्रि बाद से ब्रह्म मुहूर्त में धार्मिक स्नान किया।

सुबह होते ही घाटों पर धार्मिक आस्था भारी होने लगी और घाट पर महिला-पुरुषों, बुजुर्गों -युवाओं और बच्चों का जमावड़ा शुरू हो गया।

सभी ने सरोवर की पूजा अर्चना कर मनोकामना की , दानपुण्य किया और ब्रह्माजी के दर्शन कर मेले का आनंद लिया।

पुष्कर मेला मैदान पर भी प्रशासन की ओर से पशु मेला समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया। जिसमें जिलाक्लकटर डा. भारती दीक्षित ने विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं एवं पशुपालकों को प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया। पुष्कर मेले में राजस्थानी छटा अपने परम्परागत रंग में नजर आ रही है। मेले का दौर सोमवार शाम सरोवर के मुख्य ब्रह्म घाट पर सरोवर की महाआरती के साथ ही पुष्कर मेला - 2023 विधिवत सम्पन्न हो जायेगा। मेले की भारी भीड़ को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने यातायात के लिए ..वन-वे.. की व्यवस्था भी की। तथा सरोवर पर सुरक्षा के लिये गौताखौर तैनात किये।

राजस्थान में ओलावृष्टि और बारिश से बदला मौसम, बिजली गिरने से लड़की की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर । राजस्थान में बारिश होने के कारण मौसम का मिजाज बदल गया। आज बाड़मेर, जालोर और जैसलमेर के कुछ हिस्सों में हल्की बारिश के साथ ओले गिरे। इसके अलावा जोधपुर, बांसवाड़ा, पाली, हनुमानगढ़, बीकानेर और गंगानगर जिले के कुछ हिस्सों में भी बूंदाबादी हुई। इससे पहले शनिवार को प्रदेश के कुछ हिस्सों में मौसम की मार भी देखने को मिली। जालोर के डाबली गांव में बिजली गिरने से 17 साल की लड़की की मौत हो गई। हादसे के समय वह भैंसों को चारा डाल रही थी। इसी दौरान बिजली गिर गई। तीन भैंसें भी आकाशीय बिजली की चपेट में आ गईं। वहीं, बाड़मेर के सेड़वा उपखण्ड में बिजली गिरने से दर्जनों बकरियों ने भी दम तोड़ दिया।

मौसम विशेषज्ञों के अनुसार उत्तर भारत में एक पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हुआ है। साथ ही अरब सागर से एक ट्रफ लाइन भी आ रही है। इसी के कारण मौसम में बदलाव हुआ है। एक-दो दिन में मौसम साफ होने के बाद सर्दी में और इजाफा होगा।

मौसम बदलने के कारण प्रदेश के कुछ जिलों में रात का पारा 15 डिग्री से नीचे चला गया। गंगानगर में रात का पारा 12.2 डिग्री रहा। इसी तरह चित्तौड़गढ़ में 12.8, पिलानी में 12.8, चूरू में 13.2, उदयपुर में 13.8, भीलवाड़ा में 13.8 और बाड़मेर में रात का पारा 14.7 डिग्री रहा।

राजस्थान से एक बाघ मध्य प्रदेश के कूनो राष्ट्रीय उद्यान में घुसा, चीतों को नहीं कोई खतरा : अधिकारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्योपुर/जयपुर। ाजस्थान से एक बाघ मध्यप्रदेश के कूनो राष्ट्रीय उद्यान (केएनपी) में घुस गया है। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। देश में चीतों की आबादी को पुनर्जीवित करने के लिए अफ्रीका से चीतों को लाकर केएनपी में ही रखा गया है। केएनपी के निदेशक उत्तम शर्मा ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, हां, दो से तीन दिन पहले केएनपी के अंदर बाघ के पैरों के निशान पाए गए थे। उन्होंने कहा कि बाघ से चीतों को कोई सीधा खतरा नहीं है क्योंकि उन्हें पार्क में बाड़ों या 'बोमास' में रखा गया है। अधिकारियों ने कहा कि लगभग तीन साल का बाघ, राजस्थान के रणथंभौर बाघ अभयारण्य से संरक्षित जंगल में घुस गया, जो केएनपी से लगभग 100 किलोमीटर दूर है। केएनपी में अब सात नर व इतनी ही मादा चीते और एक शावक हैं।

इस साल फरवरी में दक्षिण अफ्रीका से 12 और चीते केएनपी लाए गए थे। बाद में, पार्क में चार शावकों का जन्म हुआ, जिससे चीतों की संख्या बढ़कर 24 हो गई। अधिकारियों ने पहले कहा था कि मार्च से अब तक तीन शावकों समेत नौ चीतों की मौत हो चुकी है, जबकि 14 चीते और एक शावक स्वस्थ हैं। भारत में 1952 में चीतों को विलुप्त घोषित कर दिया गया था।

उदयपुर में चुनावी रंजिश के चलते एक युवक की हत्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के उदयपुर जिले के फलासिया थाना क्षेत्र में शनिवार रात को अज्ञात लोगों ने चुनावी रंजिश के चलते एक युवक की पत्थरों से हमला करके हत्या कर दी। थानाधिकारी करणाराम ने सोमवार को बताया कि सोम गांव में शनिवार रात घर लौट रहे कांतिलाल (45) की अज्ञात लोगों ने पत्थरों से हमला कर हत्या कर दी। उसका शव रविवार सुबह सड़क पर पाया गया। उन्होंने बताया कि रविवार शाम को पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया।

इस संबंध में रविवार रात अज्ञात लोगों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 302 (हत्या) के तहत मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश की जा रही है। उन्होंने बताया कि पुलिस मामले की जांच कर रही है। उन्होंने मृतक के भाजपा कार्यकर्ता होने से इनकार किया।

राजस्थान में भाजपा सत्ता में आ रही है : अरूण सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर, । भाजपा प्रदेश कार्यालय में आज भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री एंव प्रदेश प्रभारी अरूण सिंह और भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी के नेतृत्व में समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के दौरान प्रदेश पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से चुनाव प्रबंधन के अनुभव से जुड़े सुझाव भी लिए गए, जिसमें पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने अपने कार्यानुभव से जुड़े विभिन्न सुझाव दिये।

भाजपा प्रदेश पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय महामंत्री अरूण सिंह ने कहा कि मैने कई राज्यों का चुनावी प्रबंधन देखा है, लेकिन मैं दावे के साथ कह सकता हूं कि राजस्थान विधानसभा चुनाव का प्रबंधन मजबूत और सुदृढ़ रहा। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी के नेतृत्व में पूरी टीम ने सकारात्मक रूख रखते हुए निरंतर काम किया है। सीपी जोशी का सरल व्यवहार और टीम मैनेजमेंट सहित संवाद और समन्वय बेहतर रहा। आवास विकास, मॉनिटरिंग, चुनाव प्रबंधन टीम और मीडिया संयोजक प्रमोद वशिष्ठ के नेतृत्व में मीडिया सेंटर का बेहतर संचालन हुआ। चुनाव के दौरान कांग्रेस की ओर से प्रशासनिक अडंगे लगाए गए, लेकिन भाजपा का मतदाता इतना सजग था कि उसने इन लोगों की एक नहीं चलने दी। इस आधार पर हम कह सकते हैं कि भाजपा प्रचंड बहुमत से सत्ता में आ रही है।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने संबोधित करते हुए कहा कि सभी भाजपा कार्यकर्ताओं और उनकी टीम ने रात-दिन श्रम किया है। प्रत्येक कार्यकर्ता भाजपा की प्रचंड जीत का भागीदार रहेगा। सुनियोजित प्रबंधन के साथ किया गया कार्य अकल्पनीय है, मैं सभी को सेल्यूट करता हूं। सभी कार्यकर्ता और पदाधिकारियों ने जो सुझाव मौखिक रूप से दिये हैं, इन सभी सुझावों को लिखित रूप से भी प्रस्तुत करना चाहिए। हम सत्ता का सेमीफाईनल जीत रहे हैं और फाईनल अभी शेष है जिसके लिए हम सभी को एकजुट होकर काम करना होगा।

चुनाव प्रबंधन में कार्यकर्ताओं ने रात-दिन निष्ठा से काम किया और कुछ कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने तो घर-परिवार को भी त्याग दिया इस कदर मेहनत की है। नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी के पगफेरे ने राजस्थान के चुनावी समर में जान फूंक दी। आगामी 03 दिसंबर को चुनावी जीत का सेहरा भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी के बंधना तय है। प्रदेश में सभी कार्यताओं और पदाधिकारियों ने जो मेहनत की है उसके लिए वे सभी प्रशंसा के पात्र है। राजस्थान में प्रचंड बहुमत से भाजपा की सरकार बनना तय है।

राज्यपाल ने गलतापीठ में भगवान श्रीनिवास, श्रीदेवी व भूदेवी के ब्रह्मोत्सव में भाग लिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर । राज्यपाल कलराज मिश्र ने सोमवार को गलतापीठ में भगवान श्रीनिवास, श्रीदेवी व भूदेवी के ब्रह्मोत्सव में भाग लिया। उन्होंने इस अवसर पर भगवान श्रीनिवास का गुलाब और कमल पुष्प, पत्रों से भाव भरा अभिषेक किया।

राज्यपाल मिश्र ने सुसज्जित पालकियों में विराजमान भगवान श्रीनिवास व भूदेवी-श्रीदेवी का विधि-विधान से वस्त्र, फल, नैवेद्य अर्पण कर आरती करते हुए देश और प्रदेशवासियों की सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। इससे पहले गलता पीठाधीश्वर स्वामी अवधेशाचार्य ने वहां पहुंचने पर स्वागत किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु और भक्तगण उपस्थित रहे।

हाजिरी

देशनोक के प्रसिद्ध करनी माता के दरबार में सोमवार को केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत धर्मपत्नी के साथ हाज़िरी लगा कर माथा टेका और राज्य व देशवासियों की ख़ुशहाली की कामना की।

राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, तेलंगाना में कांग्रेस जीतेगी : सचिन पायलट

हैदराबाद/जयपुर/दक्षिण भारत। कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने सोमवार को विश्वास जताया कि उनकी पार्टी राजस्थान, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और तेलंगाना में पूर्ण बहुमत के साथ विधानसभा चुनाव जीतेगी। उन्होंने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि तेलंगाना के लोग 30 नवंबर के चुनाव में कांग्रेस को वोट देंगे। पायलट ने दावा किया, तीन राज्यों- छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और राजस्थान में जहां चुनाव संपन्न हो चुके हैं, कांग्रेस स्पष्ट और पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बनाने जा रही है।

उन्होंने कहा कि उन्हें पूरा विश्वास है कि तेलंगाना में कांग्रेस की अच्छी सरकार बनेगी और घोषणापत्र में किए गए वादे (छह गारंटी के साथ) समयसीमा में लागू किए जाएंगे। पायलट ने कहा, हम यहां (तेलंगाना) एक पारदर्शी और संवेदनशील सरकार चलाएंगे। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस बहुत आगे है और लोग तेलंगाना में पार्टी को भारी बहुमत का आशीर्वाद देंगे। कांग्रेस नेता ने कहा, राहुल गांधी, प्रियंका और मल्लिकार्जुन खरगे (चुनाव प्रचार के दौरान) जो कह रहे हैं, उस पर लोग भरोसा करते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले 10 वर्षों से सत्ता में रहने के बावजूद तेलंगाना के मुख्यमंत्री (के. चंद्रशेखर राव), मंत्रियों और सत्तारूढ़ दल के नेताओं के पास राज्य में विकास के मामले में गर्व करने के लिए कुछ भी नहीं है। पायलट ने कहा कि (बीआरएस सरकार के खिलाफ) भ्रष्टाचार के आरोपों से लोग तंग आ चुके हैं और वे बदलाव चाहते हैं।

कांग्रेस को स्पष्ट बहुमत मिलेगा : गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सोमवार को फिर विश्वास जताया कि विधानसभा चुनाव के लिए मतदान होने के बाद अब तीन दिसंबर को होने वाली मतगणना में कांग्रेस को स्पष्ट बहुमत मिलेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा नेताओं ने प्रचार अभियान में भड़काऊ भाषा का इस्तेमाल किया और 'धर्म कार्ड' चलाने की कोशिश की लेकिन लोगों ने उन्हें खारिज कर दिया।

राजस्थान की 200 में से 199 सीटों पर शनिवार को मतदान हुआ और मतगणना तीन दिसंबर को होगी। गहलोत ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''उनके केंद्रीय नेताओं की भाषा तो दंगे भड़काने वाली थी लेकिन जनता ने उनकी परवाह नहीं की। जनता उनके भड़काने में नहीं आई।'' उन्होंने कहा, ''उनका धार्मिक कार्ड चला नहीं... जो उन्होंने चलाने का प्रयास किया जोर शोर से। प्रधानमंत्री नरेन द्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने क्या भाषा इस्तेमाल की? ऐसी भाषा को उचित नहीं कह सकते हैं क्योंकि लोगों को भड़काने वाली बातों से चुनाव में तनाव पैदा होता है।''

गहलोत ने कहा कि राज्य सरकार के खिलाफ कोई 'सत्ता विरोधी' लहर नहीं है। उन्होंने कहा, ''जमकर वोटिंग हुई है ... मैं समझता हूं कि अंडरकरंट की तरह माहौल बना है राजस्थान में। जो खबरें आ रही हैं.... बाकी तो तीन तारीख को ही मालूम पड़ेगा कि क्या होता है।''

बंदरगाहों के बुनियादी ढांचे को और मजबूत करने की जरूरत: राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पारादीप (ओडिशा)/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को कहा कि देश में बंदरगाहों के बुनियादी ढांचे को और मजबूत करने तथा उनकी दक्षता बढ़ाने की जरूरत है। मुर्मू ने यहां पारादीप बंदरगाह प्राधिकरण द्वारा आयोजित 'बोइता बंदना' (नाव पूजा) समारोह में यह बात कही। 'बोइता बंदना' ओडिशा में मनाया जाने वाला एक वार्षिक उत्सव है, जो राज्य की प्राचीन समुद्री गौरव गाथा की याद दिलाता है, जिसे पहले 'कलिंग' के नाम से जाना जाता था।

मुर्मू ने कहा कि सरकार का सागरमाला कार्यक्रम बंदरगाह गतिविधियों को मजबूत करने के लिए एक सराहनीय कदम है। उन्होंने कहा कि भारत सरकार 'समृद्धि के लिए बंदरगाह' और 'प्रगति के लिए बंदरगाह' के दृष्टिकोण को साकार करने के लिए काम कर रही है। राष्ट्रपति ने कहा कि समुद्री व्यापार देश के व्यापार और आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा, ''मुझे बताया गया है कि भारत के कुल व्यापार का मात्रा के हिसाब से 95 प्रतिशत और मूल्य के हिसाब से 65 प्रतिशत व्यापार समुद्री

परिवहन के माध्यम से होता है।'' उन्होंने कहा कि भारत के बंदरगाहों को वैश्विक मानकों के अनुरूप अधिक दक्षता के साथ कार्य करने की आवश्यकता है। मुर्मू ने कहा, ''इसीलिए भारतीय बंदरगाहों के बुनियादी ढांचे को और मजबूत करने और उनकी दक्षता बढ़ाने की आवश्यकता है।'' राष्ट्रपति ने कहा कि ऐतिहासिक बालीयात्रा जावा, सुमात्रा और बाली द्वीपों के लिए व्यापारियों की एक प्रतीकात्मक नाव यात्रा है। बालीयात्रा ओडिशा के गौरवशाली अतीत की याद में मनाया जाने वाला एक अनोखा उत्सव है। मुर्मू ने कहा, ''प्राचीन काल से मनाया जाने वाला यह उत्सव ओडिशा के समुद्री व्यापार की समृद्धि का प्रतीक है। यह ओडिशा के लोगों की समृद्ध सांस्कृतिक चेतना को भी उजागर करता है।'' उन्होंने कहा कि समुद्र भारत के व्यापार, वाणिज्य और अंतरराष्ट्रीय संबंधों को मजबूत करने का एक प्रमुख साधन रहा है। राष्ट्रपति ने कहा कि समुद्र पर आधारित साहित्य ने भी भारतीय संस्कृति को समृद्ध किया है। मुर्मू ने कहा कि ओडिशा और अन्य तटीय राज्यों में नौसैनिक वाणिज्य की एक लंबी और समृद्ध परंपरा है।

संविधान दिवस पर आपत्तिजनक टिप्पणी के आरोप में युवक गिरफ्तार

नोएडा (उप्र)/भाषा। सोशल मीडिया पर कथित रूप से संविधान के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करने के आरोप में एक 21 वर्षीय युवक को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। आरोपी ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर रविवार को संविधान दिवस पर यह कथित टिप्पणी की थी।

पुलिस प्रवक्ता ने बताया, ''स्थानीय जारचा थाने में आरोपी के खिलाफ रवि कुमार नामक व्यक्ति ने रविवार रात को लिखित में शिकायत दर्ज कराई जिसके आधार पर एक प्राथमिकी दर्ज की गई है। आरोपी की पहचान भानु उर्फ जयेश के रूप में हुई जो बिसहड़ा गांव का निवासी है। आरोपी को रविवार को ही गिरफ्तार कर लिया गया।''

अधिकारी ने बताया कि भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 354 (शांति भंग करने के इरादे से जानबूझकर अपमानित करना) और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 67 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है।

जारचा के थाना प्रभारी सुनील कुमार ने पीटीआई-भाषा को बताया कि आरोपी बेरोजगार है। कुमार ने बताया, ''आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए आरोपी को कार्यकारी मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश किया जाएगा।''

प्रयागराज : पूर्णिमा स्नान के साथ कार्तिक मेला संपन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

प्रयागराज (उप्र)/भाषा। नगर में यमुना तट के बलुआ घाट पर आयोजित कार्तिक मेला पूर्णिमा स्नान के साथ सोमवार को संपन्न हो गया। एक महीने तक चले इस मेले में एक लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने यमुना में डुबकी लगाई।

स्नान घाट पर पूजा अनुष्ठान करने वाले तीर्थ पुरोहित विमल कुमार जोशी ने कहा कि कार्तिक मास अकेला ऐसा महीना है जिसमें यमुना नदी में स्नान का विशेष महात्म्य है। इसी महीने देव उठावनी के दिन से सभी मांगलिक कार्य आरंभ हो जाते हैं। प्रयागराज में हर साल कार्तिक मास में लगने वाले इस मेले में गुड़ की बनी जलेबी लोगों का आकर्षण का केंद्र रहती है और स्नान और पूजा के बाद लोग गुड़ की चाशनी में डुबोई जलेबी का आनंद उठाते हैं।

कौशांबी से गुड़ की जलेबी बेचने आए राम भरोसे ने बताया कि कार्तिक मेले में खासकर एकादशी और पूर्णिमा पर ग्राहकों की भारी भीड़ रही और उन्होंने अच्छी दुकानदारी की। मेला समाप्त होने के साथ वह अब अपने गांव वापस लौट जाएंगे। कार्तिक मेला आयोजन समिति के एक पदाधिकारी ने बताया कि इस मेले के आयोजन में जिला प्रशासन और पुलिस का पूर्ण सहयोग रहा। आज शाम उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र के साथ मिलकर घाट पर एक सांस्कृतिक कार्यक्रम रखा गया है।

बंगाल: भाजपा समर्थकों ने कार्यकर्ता की गिरफ्तारी के विरोध में राजमार्ग अवरुद्ध किया

कोलकाता/भाषा। भाजपा इकाई के समर्थकों ने पार्टी के एक कार्यकर्ता की गिरफ्तारी के विरोध में पश्चिम बंगाल के पूर्व मेदिनीपुर जिले के खेजुरी में राज्य राजमार्ग को अवरुद्ध कर दिया और रैलियां निकालीं। भाजपा ने 12 घंटे के 'बंद' के आह्वान के समर्थन में विरोध प्रदर्शन किया। अधिकारी ने कहा कि खेजुरी में सड़क से वाहनों की आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए अवरुद्ध हटाने के प्रयास किए जा रहे हैं। राज्य राजमार्ग को अवरुद्ध करने के लिए प्रदर्शनकारियों ने मार्ग पर लट्ठे डाल दिए। भाजपा ने खेजुरी में 12 घंटे के 'बंद' का आह्वान किया है और आरोप लगाया कि पुलिस द्वारा पार्टी कार्यकर्ताओं को मनगढ़ंत मामलों में गिरफ्तार किया जा रहा है। प.बंगाल विस में विपक्ष के नेता और पड़ोसी नंदीग्राम निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा विधायक सुवेंदु अधिकारी कार्यकर्ता की गिरफ्तारी का विरोध करने के लिए खेजुरी के मारिशदा पुलिस थाने गए और उसकी तुरंत रिहाई की मांग की।

'न्याय तक पहुंच सुनिश्चित करने में चुनौतियां भौगोलिक सीमाओं तक सीमित नहीं'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति एस के कौल ने कहा कि न्याय तक पहुंच सुनिश्चित करने में चुनौतियां एक-दूसरे से जुड़ी दुनिया में भौगोलिक सीमाओं तक सीमित नहीं हैं और वैश्विक दक्षिण सामूहिक ज्ञान का लाभ उठाने, सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने सहित एकजुट होकर भौगोलिक सीमाओं से परे नवीन समाधानों का पता लगा सकता है। वैश्विक दक्षिण (साउथ ग्लोबल) शब्द का इस्तेमाल आम तौर पर आर्थिक रूप से कम विकसित देशों को संदर्भित करने के लिए किया जाता है।

कानूनी सहायता तक पहुंच विषय पर राष्ट्रीय कानूनी सेवा प्राधिकरण (नालसा) द्वारा आयोजित दो दिवसीय क्षेत्रीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए न्यायमूर्ति कौल ने यह भी कहा कि न्याय की खोज में

कानूनी सहायता के महत्व को बढ़ा-चढ़ाकर नहीं बताया जा सकता क्योंकि यह सबसे महत्वपूर्ण आधारशिला है जो निष्पक्षता, समानता और कानून के शासन के सिद्धांतों को कायम रखती है।

न्यायमूर्ति कौल ने कहा, एक ऐसी दुनिया में जो तेजी से आपस में जुड़ी हुई है, न्याय तक पहुंच सुनिश्चित करने में हमारे सामने आने वाली चुनौतियां भौगोलिक सीमाओं तक सीमित नहीं हैं। एक साथ आकर हम सामूहिक ज्ञान का लाभ उठा सकते हैं, सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा कर सकते हैं और भौगोलिक सीमाओं से परे नवीन समाधानों का पता लगा सकते हैं। मेरा दृढ़ विश्वास है कि हमें अपने लोगों को समझने और उनका बेहतर प्रतिनिधित्व करने के लिए अपने कार्यों और दृष्टिकोण को विकसित करना चाहिए।''

नालसा के कार्यकारी अध्यक्ष न्यायमूर्ति कौल ने कहा, ''हर किसी की अच्छे वकील तक पहुंच होनी चाहिए, हमारा ध्यान सभी स्तरों पर विवाद समाधान और प्रभावी शासन तंत्र को सक्षम करने पर है।'' उन्होंने कहा, हम अलग-अलग पृष्ठभूमि और सांस्कृतिक मानदंडों से आते हैं, लेकिन कानूनी सहायता तक पहुंच में आसानी सुनिश्चित करना हमारा एक समान उद्देश्य है। हमारा लक्ष्य इस बात पर आम सहमति बनाना है कि कैसे कानूनी सहायता लोगों की जरूरतों पर केंद्रित हाशिये पर पड़े लोगों के लिए आशा की किरण है। न्यायमूर्ति कौल ने कहा कि सम्मेलन वैश्विक दक्षिण के 70 देशों के प्रधान न्यायाधीशों को एक साथ लेकर आया है और यह सबसे प्रभावी प्रथाओं एवं वर्षों के अनुभव से प्राप्त अंतर्दृष्टि के आदान-प्रदान का लाभ उठाने का एक दुर्लभ अवसर है।

बरेली में महिलाओं का गला घोंटने का सिलसिला जारी, एक और महिला की हत्या

अब तक नौ महिलाओं ने गंवाई जान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बरेली (उप्र)/भाषा। बरेली में गला घोंटकर महिलाओं की हत्या करने का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। जिले के शीशगढ़ थाना क्षेत्र में खेत से चारा लेकर लौट रही एक और महिला की कथित तौर पर साड़ी से गला घोंटकर हत्या कर दी गयी। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी और कहा कि पांच महीने में महिलाओं की समान तरीके से हत्या करने की यह नौवीं घटना है।

बरेली जिले के शीशगढ़ और शाही आदि थाना क्षेत्रों में पांच माह के भीतर अधेड़ उम्र की महिलाओं की साड़ी और चुनरी से गला घोंटकर हत्या करने की एक के बाद एक करीब नौ घटनाएं सामने आयी हैं। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि एक ही प्रवृत्ति की कई घटनाओं को चुनौती के रूप में लेते हुए पुलिस निगरानी बढ़ा दी गई है और मामलों के राजफाश के लिए दो विशेष टीम का गठन किया गया है। पुलिस ने बताया कि शीशगढ़ थाना क्षेत्र के जगदीशपुर गांव निवासी उर्मिला देवी गंगवार (55) रविवार दोपहर ढाई बजे घर से पशुओं का चारा लाने के लिए खेत गई थीं। काफी देर बाद भी जब वह घर नहीं लौटीं तो शाम के वक्त उर्मिला की तलाश शुरू की गयी।

पुलिस ने बताया कि काफी देर तलाश के बाद गांव से 400 मीटर की दूरी पर एक खेत के करीब उनके पति वेद प्रकाश गंगवार को उर्मिला का शव मिला। पुलिस ने बताया कि महिला के गले में साड़ी का फंदा कसा हुआ था और उसकी जीभ बाहर निकली हुई थी तथा उसके सिर के पीछे चोट के निशान थे। पुलिस ने सूचना मिलने के बाद विधिक कार्यवाही शुरू कर दी।

पुलिस सूत्रों के अनुसार शीशगढ़ थाने के गांव लखीमपुर की महमूद कुल्चा गांव की धनवती, सेवा ज्वालापुर निवासी वीरावती, खजुरिया निवासी कुसमा देवी, शाही के मुबारकपुर गांव की शांति देवी, आनंदपुर की प्रेमवती, मीरगंज थाना क्षेत्र के गांव गुला की रेशमा देवी व शाही के गांव खरसेनी की दुलारी देवी की पांच महीने के भीतर जान जा चुकी है और इनमें से अधिकांश महिलाओं की मौत गला घोंटे जाने के कारण हुई थी।

बरेली परिक्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) डॉक्टर राकेश सिंह ने पूरे घटनाक्रम का संज्ञान लिया है। सिंह ने बताया कि सभी नौ घटनाओं में काफी समानताएं हैं।

उप्र: तेज आवाज वाले 3238 लाउडस्पीकर धार्मिक स्थलों से उतारे गये

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश सरकार के निर्देश पर अवैध लाउडस्पीकर/ध्वनि विस्तारक यंत्रों के विरुद्ध चलाये गये राज्यव्यापी अभियान के तहत सोमवार को तेज आवाज वाले 3238 लाउडस्पीकर/ध्वनि विस्तारक यंत्रों को सार्वजनिक/धार्मिक स्थलों से उतारा गया। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। विशेष पुलिस महानिदेशक (कानून-व्यवस्था) प्रशांत कुमार ने सोमवार को एक बयान जारी किया जिसमें कहा गया कि उप्र शासन के निर्देशानुसार लाउडस्पीकर/ध्वनि विस्तारक यंत्रों के विरुद्ध 23 नवंबर से 22 दिसंबर तक एक माह का अभियान चलाया जा रहा है।

इस अभियान के तहत सोमवार को प्रदेश के सभी जिलों में सुबह पांच बजे से शाम सात बजे तक वरिष्ठ अधिकारियों के नेतृत्व में कार्रवाई की गयी। बयान के अनुसार सार्वजनिक और धार्मिक स्थलों पर कुल 61399 लाउडस्पीकर/ध्वनि विस्तारक यंत्रों की जांच की गयी जिसमें 7288 लाउडस्पीकर/ध्वनि विस्तारक यंत्रों की आवाज कम कराकर मानक के अनुरूप की गयी।

उप्र : दूसरे की जगह परीक्षा दे रहा 'मुन्ना भाई' गिरफ्तार

नोएडा/भाषा। लखनऊ स्थित किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (केजीएमयू) द्वारा आयोजित की गई स्टाफ नर्सिंग की परीक्षा में दूसरे परीक्षार्थी की जगह परीक्षा दे रहे एक व्यक्ति को थाना सेक्टर 58 पुलिस ने गिरफ्तार किया है। थाना सेक्टर 58 के प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार सिंह ने यह जानकारी देते हुए सोमवार को बताया कि गिरफ्तार आरोपी का नाम नितेश (पुत्र मगनलाल शर्मा) है। उन्होंने बताया कि नितेश, जालान सिंह नामक व्यक्ति की जगह परीक्षा दे रहा था। उन्होंने बताया कि स्टाफ नर्सिंग की परीक्षा कल सेक्टर 62 स्थित इंडस वैली स्कूल में चल रही थी। उन्होंने बताया कि परीक्षा केंद्र के व्यवस्थापक ने नितेश को दूसरे की जगह पेपर देने के आरोप में पकड़कर थाना सेक्टर 58 पुलिस के हवाले किया।

पटनायक के निकट सहयोगी पांडियन बीजद में शामिल हुए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक के निकट सहयोगी एवं भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के पूर्व अधिकारी वी कार्तिकेयन पांडियन सोमवार को औपचारिक रूप से सत्तारूढ़ बीजू जनता दल (बीजद) में शामिल हो गए।

पांडियन मुख्यमंत्री के आवास 'नवीन निवास' में बीजद दल में शामिल हुए। वह मुख्यमंत्री, राज्य के अन्य मंत्रियों, विधायकों और वरिष्ठ बीजद नेताओं की मौजूदगी में पार्टी में शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने एक वीडियो संदेश में कहा, ''मैं पांडियन का बीजद में स्वागत करता हूं। वह पार्टी और ओडिशा के लोगों के लिए पूरी ईमानदारी और समर्पण के साथ काम करेंगे।'' पटनायक ने एक अन्य बयान में पांडियन के बारे में कहा, ''वह राज्य के लिए कई वर्षों से बहुत मेहनत कर रहे हैं और आगे भी करते रहेंगे। उन्होंने लोगों का सम्मान कमाया है। मैं उन्हें शुभकामनाएं देता हूं।'' पांडियन ने कहा, ''मैं भगवान जगन्नाथ के आशीर्वाद से और मुख्यमंत्री नवीन पटनायक के मार्गदर्शन में पार्टी और ओडिशा के लोगों के लिए पूरी ईमानदारी और समर्पण के साथ काम करूंगा।''

पार्टी में शामिल होने से पहले पांडियन ने पुरी का दौरा किया और सुबह भगवान जगन्नाथ के दर्शन किए। बीजद नेता एवं पुरी से सांसद पिनाकी मिश्रा ने संवाददाताओं से कहा कि पांडियन ने मुख्यमंत्री के पैर छूकर उनका आशीर्वाद लिया और पटनायक ने विश्वास जताया कि पांडियन पार्टी को भी उसी तरह सफलता दिलाएंगे, जैसी सफलता उन्होंने प्रशासन को दिलाई। मिश्रा ने कहा कि पांडियन का प्रशासनिक और राजनीतिक अनुभव पार्टी के लिए बड़ी पूंजी होगी।

मनरेगा श्रमिकों को वित्तीय सहायता दे रहे हैं टीएमसी नेता अभिषेक बनर्जी

कोलकाता/भाषा। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के वरिष्ठ नेता अभिषेक बनर्जी अपने बकाये से वंचित करीब 3,000 मनरेगा कार्ड धारकों को वित्तीय सहायता प्रदान कर रहे हैं। पार्टी सूत्रों ने सोमवार को यह जानकारी दी। बनर्जी ने इस साल नई दिल्ली में जंतर-मंतर पर टीएमसी के प्रदर्शन में शामिल हुए मनरेगा (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम) श्रमिकों को पत्र भेजना शुरू किया है।

भाजपा नेता दिलीप घोष ने इस वित्तीय सहायता को 2024 के लोस चुनाव से पहले 'रिश्वत' करार दिया। तृणमूल कांग्रेस ने बयान में कहा, ''अभिषेक ने अक्टूबर की शुरुआत में नई दिल्ली में टीएमसी के आंदोलन के दौरान वादा किया था कि यदि दो महीनों के अंदर केंद्र ने बकाये का भुगतान नहीं किया तो वह रोजगार कार्ड धारकों को पार्टी से वित्तीय सहायता प्रदान करना सुनिश्चित करेंगे। रविवार शाम से वह पत्र भेज रहे हैं और वित्तीय सहायता प्रदान कर रहे हैं।'' प्रभावित श्रमिकों को भेजे जा रहे पत्रों में बनर्जी ने कहा है कि आने वाले दिनों में पिछले प्रदर्शन की तुलना में कहीं अधिक बड़ा प्रदर्शन किया जाएगा।

भारत 2024 टी20 विश्व कप खिताब का बड़ा दावेदार: शास्त्री

मुंबई/भाषा। पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने अगले साल होने वाले टी20 विश्व कप खिताब के लिए भारत को बड़ा दावेदार करार देते हुए सोमवार को यहां कहा कि चैम्पियन बनने के लिए इस टीम को आखिरी दो नॉकआउट मैचों में विजेता बनना होगा।

भारतीय टीम को एकदिवसीय विश्व कप में शानदार अभियान के बाद फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शिकस्त का सामना करना पड़ा था। शास्त्री ने यहां एक कार्यक्रम के इतर कहा, '' कुछ भी आसानी से नहीं मिलता। यहां तक कि महान खिलाड़ी सचिन तेंदुलकर को भी विश्व कप जीतने के लिए छह विश्व कप का इंतजार करना पड़ा। आप विश्व कप (आसानी से) नहीं जीतते, एक विश्व कप जीतने के लिए आपको बहुत मेहनत करनी पड़ती है। उस बड़े दिन (फाइनल)

अच्छा प्रदर्शन करना होता है।'' उन्होंने कहा, '' फाइनल में पहुंचने के बाद यह मायने नहीं रखता कि आपने टूर्नामेंट में पहले क्या किया है। जब आप शुरुआती बाधा को पार कर लेते हैं तो सिर्फ शीर्ष चार टीम होती हैं और आपको आखिरी दो मैच में अच्छा करना होता है। उन दो मैचों में अगर आपका प्रदर्शन अच्छा रहा तो आप चैम्पियन बनते हैं। ऑस्ट्रेलिया ने ऐसा ही किया, वे अपने शुरुआती दो मैच हार गये थे लेकिन उन्होंने जब अच्छे प्रदर्शन की जरूरत थी तब अच्छा किया।''

नोएडा में लाखों रु. मूल्य के मादक पदार्थ बरामद, पांच लोग गिरफ्तार

नोएडा (उप्र)/भाषा। नोएडा पुलिस ने रविवार रात को तीन मादक पदार्थ तस्करों के पास से 72 किलोग्राम 300 ग्राम अवैध गांजा बरामद किया। पुलिस ने यह जानकारी दी।

पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि उपनिरीक्षक देवेंद्र कुमार राठी ने रविवार रात को एक सूचना के आधार पर बीटा-दो थाना क्षेत्र में परी चौक के पास एक दुकान के पास से लाखों रुपये मूल्य का 72 किलो और 300 ग्राम अवैध गांजा तथा गांजा तस्करी में इस्तेमाल एक कार बरामद की। उन्होंने बताया कि इस मामले में तीन मादक पदार्थ तस्करों चांद उर्फ चंदू, इरशाद तथा राशीद को गिरफ्तार किया गया है।

पूछताछ के दौरान पुलिस को पता चला कि आरोपी आंध्र प्रदेश से गांजा खरीद कर लाते थे और इसे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में बेचते थे।

गुजरात टाइटंस ने शुभमन को कप्तान नियुक्त किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। गुजरात टाइटंस ने मुंबई इंडियन्स के पास वापस लौटने के हार्दिक पंड्या के फैसले के बाद इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 2024 सत्र के लिए सोमवार को शुभमन गिल को कप्तान नियुक्त किया। गुजरात टाइटंस को मुंबई इंडियन्स से 15 करोड़ रुपये के अलावा स्थानांतरण फीस के तौर पर मोटी राशि भी मिलेगी जिसका एक हिस्सा पंड्या के पास भी जाएगा।

पंड्या के टीम का साथ छोड़ने की पुष्टि होने के बाद 24 वर्षीय सलामी बल्लेबाज गिल स्पष्ट रूप से कप्तान के रूप में पहली पसंद थे जिन्होंने पिछले सत्र में 890 रन के साथ प्रतिष्ठित 'ऑरेंज कैप' हासिल की थी। गिल का यह प्रदर्शन विराट कोहली के एक सत्र में 973 रन के सर्वकालिक रिकॉर्ड के बाद दूसरे स्थान पर है। गिल ने बयान में कहा, ''मुझे गुजरात टाइटंस की कप्तानी संभालने पर खुशी और गर्व है और इतनी अच्छी टीम का नेतृत्व करने के लिए मुझ पर भरोसा करने के लिए फ्रेंचाइजी को धन्यवाद देता हूं। हमारे दो असाधारण सत्र रहे हैं और मैं क्रिकेट के हमारे रोमांचक ब्रांड के साथ टीम का नेतृत्व करने के लिए उत्सुक हूं।'' दूसरी तरफ पंड्या ने 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर अपनी भावनाएं जाहिर की। पंड्या ने लिखा, ''इसके साथ इतनी सारी शानदार यादें ताजा हो

गईं। मुंबई। वानखेड़े। पल्टन। वापसी करके अच्छा लग रहा है। ''

टाइटंस के टीम निदेशक विक्रम सोलंकी ने पिछले दो सत्र में टीम की सफलता में पंड्या के योगदान की सराहना की।

सोलंकी ने बयान में कहा, ''गुजरात टाइटंस के पहले कप्तान के रूप में हार्दिक पंड्या ने फ्रेंचाइजी को दो सत्र में शानदार प्रदर्शन करने में मदद की जिसमें टीम ने एक बार आईपीएल खिताब जीता और एक बार उप विजेता रही।''

इंग्लैंड के इस पूर्व बल्लेबाज ने कहा, ''उन्होंने अब अपनी शुरुआती टीम मुंबई इंडियन्स में लौटने की इच्छा जताई है। हम उनके फैसले का सम्मान करते हैं और भविष्य के लिए उन्हें शुभकामनाएं देते हैं।''

मुंबई इंडियन्स की मालिक नीता अंबानी और आकाश अंबानी दोनों ने पंड्या की वापसी को 'सुखद घर वापसी' बताया।

नीता ने कहा, ''हम हार्दिक की घर वापसी का स्वागत करते हुए रोमांचित हैं! यह हमारे मुंबई इंडियंस परिवार के साथ एक सुखद पुन: मिलन है। मुंबई इंडियन्स की एक युवा प्रतिभा से लेकर अब टीम इंडिया के स्टार बनने तक हार्दिक ने लंबा सफर तय किया है और हम उसके और मुंबई इंडियन्स के भविष्य को लेकर उत्साहित हैं।''

उनके बेटे आकाश ने उस संतुलन के बारे में बात की जो यह ऑलराउंडर किसी टीम को देता है।

आकाश ने कहा, ''यह सुखद घर वापसी है। वह जिस भी टीम के साथ खेलते हैं उसे बेहतरीन संतुलन प्रदान करते हैं। मुंबई इंडियन्स परिवार के साथ हार्दिक का पहला जुड़ाव बेहद सफल रहा था और हमें उम्मीद है कि वह अपने दूसरे जुड़ाव में और भी अधिक सफलता हासिल करेंगे।''

बेखौफ होकर अपने सभी शॉट खेलने का प्रयास कर रहा था: यशस्वी जायसवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। भारत के प्रतिभाशाली सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल तेजी से सीख रहे हैं और बेखौफ होकर खेलने की कोशिश कर रहे हैं जो यहां दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उनकी 25 गेंद में 53 रन की पारी से स्पष्ट है। दाएं हाथ के इस 21 वर्षीय बल्लेबाज ने रविवार को अपनी पारी के दौरान नौ चौके और दो छक्के लगाए और भारत को शानदार शुरुआत दी।

छठे ओवर में आउट होने से पहले उन्होंने रुतुराज गायकवाड़ (58) के साथ पहले विकेट के लिए 77 रन की साझेदारी की जिससे भारत ने चार विकेट पर 235 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया और फिर ऑस्ट्रेलिया को 191 रन पर रोककर 44 रन से जीत दर्ज की। जायसवाल ने कहा, ''यह मेरे लिए वास्तव में विशेष था। मैं सभी शॉट खेलने की कोशिश कर रहा था, निडर होकर गेंदबाजों का सामना कर रहा था। मैं फैसलों को लेकर आश्वस्त था।'' उन्होंने कहा, ''मुझे (कप्तान) सूर्या और (कोच) वीवीएस (लक्ष्मण) भाई ने खुलकर खेलने को कहा है। मैं हमेशा सोचता हूं कि अनुभवी खिलाड़ियों की मौजूदगी में खुद को कैसे बेहतर बना सकता हूं। अब भी सीख रहा हूं।'' जायसवाल ने कहा कि वह फिटनेस के स्तर के साथ-साथ मानसिक ताकत में सुधार पर काम कर रहे हैं। इस साल भारत के लिए पदार्पण करने वाले जायसवाल ने कहा, ''मैंने फिटनेस और शॉट खेलने पर काम किया है। मुझे लगता है कि इस स्तर पर मानसिक चीजें अधिक महत्वपूर्ण हैं। हर दिन बेहतर होने की कोशिश करना।''

सुविचार

उदास होने के लिए उम्र पड़ी है, नज़र उठाओ सामने ज़िंदगी खड़ी है, अपनी हँसी को होंठों से न जाने देना, क्योंकि आपकी मुस्कुराहट के पीछे दुनिया पड़ी है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कट्टरपंथ और युवा मन

प्रयागराज में इंजीनियरिंग के एक छात्र लारैब हाशमी द्वारा बस कंडक्टर की गर्दन पर धारदार हथियार से हमला किए जाने और बाद में सोशल मीडिया पर नारे लगाते हुए वीडियो पोस्ट करने की घटना चौंकाने वाली है। किराए के कुछ रुपयों को लेकर हुआ विवाद ऐसा भयानक रूप कैसे ले सकता है? अभी जांच एजेंसियां इस घटना की तह तक जाने की कोशिश कर रही हैं, इसलिए विवाद की शुरुआत किसकी ओर से हुई, यह सामने आना बाकी है, लेकिन किसी भी सूरत में हथियार से हमला करने को बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। घटना के बाद उप्र पुलिस ने काफी फुर्ती दिखाई और हाशमी को उसी दिन चंडी गांव से मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। अब यह पता लगाना चाहिए कि इतनी कम उम्र में इस छात्र के मन में नफरत का ऐसा जहर किसने भरा कि इसने गर्दन काटने की कोशिश तक का दुस्साहस कर लिया! यह कोई सामान्य घटना नहीं है। यह जून 2022 में राजस्थान के उदयपुर में हुए कन्हैया लाल प्रकरण से काफी समानता रखती है। हाशमी इंजीनियरिंग का छात्र है। ऐसे में यह तर्क नहीं दिया जा सकता कि उसे घटना की गंभीरता का अंदाजा नहीं था। उसके बाद मीडिया में जिस तरह की रिपोर्टें सामने आ रही हैं, उससे शक की सुई कट्टरपंथी विचारधारा की ओर घूमती है। आज सोशल मीडिया पर कट्टरपंथ का प्रचार करने वाले इतने समूह व चैनल मौजूद हैं, जिनके संपर्क में आने के बाद युवाओं का गुमराह होना स्वाभाविक है। यह सामग्री मुख्यत: पाकिस्तान से पोस्ट की जाती है। वहां खूंखार आतंकवादियों के अलावा खादिम हुसैन, साद हुसैन, जैद हामिद जैसे कट्टरपंथियों के वीडियो खूब देखे जाते हैं। पहले इनकी तकरीरें कैसेट और सीडी की शक्ल में मौजूद होती थीं, जिन्हें भारत या किसी अन्य देश तक पहुंचने में काफी समय लगता था। अब इंटरनेट से यह काम चुटकियों में हो जाता है।

ये कट्टरपंथी अपने भाषणों में भारत और गैर-मुस्लिम समुदायों के खिलाफ आग उगलते नजर आते हैं। हैरत की बात है कि यूट्यूब जैसे प्लेटफॉर्म पर इन्हें लाखों व्यूज मिलते हैं। इनमें बड़ा हिस्सा उन लोगों का भी है, जो भारत से यह सामग्री देखते हैं। इसके अलावा वॉट्सऐप, टेलीग्राम पर बने समूहों में ऐसी सामग्री लिखित में भी डाली जाती है। युवा मन पर इनका गंभीर दुष्प्रभाव होता है। बार-बार ऐसे भाषण सुनने के बाद उसे यह भ्रम होने लगता है कि उसकी सभी समस्याओं का समाधान इस व्यक्ति के पास है ... यही मेरी जिज्ञासा शांत कर सकता है। लगातार उसके वीडियो देखने के बाद वह उसका मुरीद हो जाता है। फिर वह उसके नजरिए पर सवाल नहीं उठा सकता है। अगर कट्टरपंथी किसी से नफरत करने, उस पर हमला करने की बात दोहराता है तो उससे प्रभावित युवक ऐसा अपराध करने के बाद उसे न्यायोचित ठहरा सकता है। बस, उसे एक मौका चाहिए। याद करें, हाल के वर्षों में यूरोप में चाकूबाजी, आतंकवाद की जितनी घटनाएं हुईं, उनमें या तो कोई पाकिस्तानी शामिल था या कोई ऐसा व्यक्ति, जो लंबे अरसे से कट्टरपंथ आधारित सामग्री देख-सुन रहा था। इसके मद्देनजर भारतीय एजेंसियों को बहुत सतर्कता बरतने की जरूरत है। हमें इंटरनेट आधारित किसी प्लेटफॉर्म को कुछ भी पोस्ट करने की खुली छूट नहीं देनी चाहिए। बेशक अभिव्यक्ति की आजादी होनी चाहिए, लेकिन इसका यह अर्थ बिल्कुल नहीं है कि अभिव्यक्ति के नाम पर हिंसा और आतंकवाद को बढ़ावा देने वाली सामग्री को भी प्रसारित करने की छूट मिले। युवाओं के मन में नफरत का जहर घोलने वाली ऐसी सामग्री पर कड़ी नजर रखी जाए और उसे हटवाया जाए। अगर संबंधित मंच आनाकानी करे तो उसके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई करने से न हिचकें। जो सामग्री हमारे देश की शांति और सद्भाव के खिलाफ है, किसी भी कीमत पर उसके प्रसारण की इजाजत नहीं होनी चाहिए।

ट्वीटर टॉक

सिख धर्म के प्रथम गुरु, मानवता के परम उपासक श्री गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व पर उनका स्मरण एवं समस्त देशवासियों को बधाई। सद्भाव, शांति, सौहार्द, अध्यात्म के महान मूल्यों की सीख देकर गुरु नानक देव जी ने संसार का मार्गदर्शन किया।

-ओम बिरला

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्रीय प्रचारक निंबाराम के आवास पर पहुंचकर उनके पिता कौशलाराम सुथार जी के स्वर्गवास पर संवेदनाएं व्यक्त की। इस दौरान शोकाकुल परिजनों से मिलकर उन्हें ढांढस बंधाया तथा दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

-वसुंधरा राजे

आज भाजपा प्रदेश कार्यालय में चुनाव प्रबंधन समिति के सदस्य और सहायक कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर सभी के अथक परिश्रम और समर्पण के लिए आभार जताया। इस दौरान प्रदेश संगठन प्रभारी श्री अरुण सिंह जी ने भी बैठक को संबोधित किया।

-सीपी जोशी

प्रेरक प्रसंग

संकल्प शक्ति से जीत

जापान के प्रसिद्ध सेनापति नोबुनागा अपने सैनिकों में संकल्प शक्ति भरने की अद्भुत महारथ रखते थे। एक बार उन्हें युद्ध में करारी हार मिली। तमाम सैनिकों में गहन निराशा व्याप्त हो गई। नोबुनागा तत्क्षण अपने सैनिकों को एक मंदिर में ले गया। वहां जाकर उसने सैनिकों से कहा, 'देखो, मैं इस सिक्के को तीन बार उछालूंगा यदि सिक्का ज्यादा बार चित पड़ा तो जीत हमारी होगी। ऐसी सूरत में हम जमकर शत्रु का मुकाबला करेंगे।' यह कहकर उसने सिक्का उछाला और संयोग से तीनों बार सिक्का चित पड़ा। सारे सैनिक खुशी से चिल्ला उठे, 'जीत! जीत! अब हमारी जीत तय है।' इस उच्चारण से सैनिकों में नई संकल्प शक्ति का संचार हुआ। तत्पश्चात उन्होंने संगठित होकर पूरे जोश के साथ शत्रु पर तीव्र आक्रमण किया और वे विजयी हुए। तब नोबुनागा ने कहा, 'बहादुर सैनिकों, हमें यह जीत सिक्के के चित पड़ने के कारण नहीं, बल्कि तुम्हारे साहस और संकल्प के कारण मिली है।'

सामयिक

सोशल मीडिया पर नग्नता का नंगा नाच

डॉ सत्यवान सौरभ

मोबाइल : 9466526148

पूरा देश नग्नता के लिए फिल्मों को दोष देता है परंतु आज सोशल मीडिया (सामाजिक पटल) पर इतनी भयंकर नग्नता है कि हमारी जो भारतीय फिल्में को भी शर्म आ जाए। आज कोई भी सोशल प्लेटफार्म अछूता नहीं है फूहड़पन और नग्नता से। सोशल मीडिया के अंधे दौर में कुछ लाइक और व्यू पाने के लिए हमारे समाज की नारियों को कैसे लक्षित किया जा रहा है और उन्हें नग्नता परोसना पड़ रहा है। और वो लाइक और व्यू के आसमान में उड़ने के लिए नग्नता परोस स्वयं के मान सम्मान स्वाभिमान का सौदा आसानी से कर रही है।

कुछ चप्पल छाप यूट्यूबर्स लोग केवल व्यू पाने के लिए हमारी आस्था पर इस तरह के अश्लीलता वाले थम्बनेल लगाते हैं। किससे क्या कहें? जीवन का चरमसुख अब फॉलोअर्स पाने और कमेंट आने पर निर्भर हो गया है। फेसबुक जैसे प्लेटफॉर्म पर नग्न अवस्था में तस्वीरें शेयर कर आज लड़कियां लाइक कमेंट पाकर खुद को अनुगृहित करती दिखाई देती है, मानो जीवन की सबसे अहम और जरूरी ऊंचाई को उन्होंने पा लिया हो।

इस नग्नता को हम आधुनिकता के इस दौर में न्यू फैशन कहते हैं। सोशल मीडिया पर फैशन की उबाल आई तो सोशल नेटवर्क पर युवा पीढ़ी ने खुद को खूबसूरत युवतियों से पीछे पाया, फिर क्या युवकों ने खुद की नग्नता का नंगा नाच शुरू किया और कहा, मैं पीछे कैसे ? युवा अपने यौवन को दिखाते घूम रहे हैं मैं किसी से कम नहीं। ऐसे बिगड़ैल यूट्यूबर के इंटरव्यूज होना और भी अचरज की बात है। पहले के जमाने में बड़े बुजुर्ग इस तरह की हरकतों पर नकेल कसते थे। खैर जमाना आधुनिक है इस लिए समाज इसे स्वीकारता और आनंदित होता है।पर ये बहुत ही गम्भीरता से सोचने का विषय है - हमारे घरों के छोटे-छोटे बच्चे किस दिशा में जा रहे हैं। माता-पिता क्यों जानबूझ कर अनदेखा कर रहें हैं? क्यों नहीं अपने बच्चों को टाईम और संस्कार देना चाहते हैं? क्यों अपने हाथो अपने बच्चो को दलदल में धकेल रहें हैं। आजकल के माता-पिता बहुत ज्यादा मार्डन है और उन्हें नंगापन, बॉयफ्रेंड और मार्डन परिवेश बेहद आकर्षित करती है। ये आने वाली पीढ़ी और समाज के लिए घातक सिद्ध होगा।

हमारी संस्कृति में स्त्री को धन की संज्ञा से नवाजा गया वो भी बहुमूल्य न कि टके बराबर। इसलिए राजदरबारो में होने वाले मुजरे भी चारदीवारो के अंदर ही होते थे। सत्य यह है की अश्लीलता को किसी भी ष्टिकोण से सही नहीं ठहराया जा सकता। ये कम उम्र के बच्चों को यौन अपराधों की तरफ ले जाने वाली एक नशे की दुकान है और इसका उत्पादन आज सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म स्त्री समुदाय के साथ मिलकर कर रहा है। मस्तिष्क विज्ञान के अनुसार 4 तरह के नशों में एक नशा अश्लीलता से भी है।

अगर हम ऐसी पोस्ट या वीडियो को लाइक शेयर करना ही बंद कर दें तो क्या ये बंद नहीं हो सकता? आज सामाजिक विकार अपने सफर के सफलतम पड़ाव में है। रोकथाम की कोई गुंजाइश नही है। अब तो प्रलय ही इसकी गति को रोक सकती है। सोशल मीडिया में रील्स पर नग्न और अश्लील नृत्य की नौटंकी करने वाली बेटियों से निवेदन है कि चंद काग़ज़ के टुकड़ों के लिए अपने परिवार और धर्म की इज्जत तार-तार ना करो। पैसे आपको आज नृत्य के लिए नही अपितु नग्नता टीनएजर लड़कियों की मनःस्थिति को अपने खास मकसद के मुताबिक ढाला जा रहा है।

अब तो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मस आभासी नग्नता के अड्डे बने हुए हैं। वल्गर रील्स और वीडियोस तो अब हर घर के टीनेजरस बना ही रहे हैं। अब तो ऐसा महसूस होने लगा है कि वैश्यावृति के अड्डे भी नये विकल्पों के साथ हवस परस्त मर्दो के लिए उपलब्ध हो गए हैं। सोशल मीडिया पर आजकल जो ये फॉलोवर बढ़ाने के लिए जो नग्नता परोसी जा रही है। क्या उसमें परोसने वाले ही दोषी हैं? क्या उसको लाइक और शेयर करने वाले दोषी नहीं हैं ? मेरे हिसाब से तो वो ज्यादा दोषी हैं। परोसने के लिए दिए जा रहे है ताकि पूरे समाज को एक दिन रसातल में धकेल कर नीचा दिखाया जा सके।

हमारी संस्कृति ही नहीं बचेगी तो तो हमारे राष्ट्र का और आने वाली पीढ़ियों का दुर्गुणों से विनाश होने से कोई बचा नहीं सकता है। अभी समझे कि संस्कृति क्या है और इसे बचाना क्यों जरूरी है। यह हमारे राष्ट्र का स्वाभिमान है। हमें चाहिए अश्लीलता और नग्नता मुक्त समाज अपनी नष्ट हो रहे सभ्यता और संस्कृति की रक्षा करें। बॉलीवुड की अश्लीलता, नग्नता और गाली गलौज से भरी फिल्मों और वेब सीरीज का बहिष्कार करें। अश्लील गाना एवं अश्लील फिल्मों का बहिष्कार करें। सोशल मीडिया में ट्वीटर, फेसबुक आदि ऐसे प्लेटफार्म हैं जिसके माध्यम से लोग अपने विचार, अभिव्यक्ति के साथ किसी महत्वपूर्ण जानकारी का प्रेषण करते हैं। किन्तु वर्तमान में इन प्लेटफार्मो मे अश्लील,आपत्तिजनक व नग्नता पूर्ण मैसेज व विज्ञापन की भरभार होने के साथ जुए जैसे खेलों को खेलने के लिए प्रोत्साहित कर सामाजिक प्रदूषण फैलाया जा रहा है। हमारे नौनिहाल, बहन बेटी भी इन प्लेटफार्मो का बहुतायत उपयोग करते है। इस प्रदूषण पर अंकुश लगवाने के लिए सभी को सोचना होगा और खुद पहल करनी होगी। आज चेतना चाहिए नहीं तो कल रास्तों में होगा नंगा नाच। आप देश का भविष्य हो, कठपुतली मत बनो। स्वच्छंदता के नाम पर फूहड़ता सोशल मीडिया के इस दौर में अपने चरम पर है। हमारी संस्कृति में स्त्री को धन की संज्ञा से नवाजा गया वो भी बहुमूल्य न कि टके बराबर। इसलिए राजदरबारो में होने वाले मुजरे भी चारदीवारो के अंदर ही होते थे। सत्य यह है की अश्लीलता को किसी भी दृष्टिकोण से सही नहीं ठहराया जा सकता। ये कम उम्र के बच्चों को यौन अपराधों की तरफ ले जाने वाली एक नशे की दुकान है और इसका उत्पादन आज सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म स्त्री समुदाय के साथ मिलकर कर रहा है। मस्तिष्क विज्ञान के अनुसार 4 तरह के नशों में एक नशा अश्लीलता से भी है। आचार्य कौटिल्य ने चाणक्य सूत्र में 'वासना' को सबसे बड़ा नशा और बीमारी बताया है। यदि यह नग्नता आधुनिकता का प्रतीक है तो फिर पूरा नग्न होकर स्त्रियां पूर्ण आधुनिकता का परिचय क्यों नहीं देती? गली- गली और हर मोहल्ले में जिस तरह शराब की दुकान खोल देने पर बच्चों पर इसका बुरा प्रभाव पड़ता है उसी तरह अश्लीलता समाज में यौन अपराधों को जन्म देती है। इसको किसी भी तरह उचित नहीं ठहराया जा सकता है। विचार करिए और चर्चा करिए या फिर मौन धारण कर लीजिए।

हेल्थ

सर्दी में विशेष सावधानी बरतें डायबिटीज के मरीज

बाल मुकुन्द ओझा

मोबाइल : 9414441218

सर्दी के मौसम में डायबिटीज के मरीजों को अधिक सतर्क होकर अपने स्वास्थ्य का ज्यादा ध्यान रखना चाहिए। सर्दी में व्रत त्योहार विशेषकर शादियां बहुतायत से होती है। इस अवसर पर होने वाकई पार्टियां उच्च कैलोरी वाले खाद्य पदार्थों के साथ आपकी भोजन योजना को बाधित कर सकती हैं। ख़राब मौसम में बाहर रहना और शारीरिक रूप से सक्रिय रहना भी कठिन हो सकता है। आपके भोजन और गतिविधि योजनाओं में व्यवधान से आपका रक्त शर्करा बढ़ सकता है। रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र (सीडीसी) ने ठण्ड के मौसम में डायबिटीज रोगियों को अपनी रोजमर्रा की दिनचर्या और खानपान के लिए सचेत किया है। अपनी एडवाइज़री में कहा है नियमित रूप से अपने रक्त शर्करा की जाँच करें, यदि आप बीमार हैं या निम्न रक्त शर्करा के लक्षण हैं तो अधिक बार जाँच करें। सर्दी आपके हाथों को ठंडा कर सकती है, जिससे परीक्षण अधिक दर्दनाक हो सकता है।

आइसीएमआर की एक रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में डायबिटीज के मरीजों की संख्या 10.1 करोड़ से ज्यादा है। वर्ष 2019 में यह संख्या 7 करोड़ थी। मसलन सिर्फ चार साल में 4 करोड़ भारतीय डायबिटीक हो चुके हैं। खानपान और लाइफ स्टाइल में आये बदलाव के कारण यह रोग बच्चे से बुजुर्ग तक को अपना शिकार बना रहा है। साइंस पत्रिका लेसेन्ट के एक शोध के मुताबिक दुनिया में जितने मरीज हैं, उसमें से 17 प्रतिशत से ज्यादा अकेले भारत में हैं. आंकड़ों के मुताबिक भारत में अभी करीब 101 मिलियन (10 करोड़) से अधिक लोग डायबिटीज की चपेट में हैं। भारत की 11.4 फीसदी आबादी डायबिटीज की चपेट में है। आने वाले दिनों में यह संख्या और तेजी से बढ़ सकती है। ऐसे में इसे कंट्रोल करना बेहद जरूरी है। देश के कई राज्यों में डायबिटीज के मरीज तेजी से बढ़ रहे हैं। डायबिटीज के मरीज लाइफस्टाइल और खानपान का ख्याल रखकर इससे छुटकारा पा सकते हैं। नींद की कमी से डायबिटीज की समस्या बढ़ सकती है। हेल्थ एक्सपर्ट के मुताबिक, अगर आप रोजाना अच्छी नींद ले रहे हैं तो ब्लड शुगर कंट्रोल रहता है और डायबिटीज का खतरा कम होता है।

भारत में डायबिटीज के मरीजों की संख्या हर रोज बढ़ रही हैं। लगभग हर 5 भारतियों में से 2 भारतीय को डायबिटीज की समस्या हैं। डायबिटीज में ब्लड शुगर का लेवल हाई होने के कारण त्वचा शुष्क होती है जिससे शरीर में सूजन, लाल धब्बे, खुजली, चकते जैसी चीजें हो जाती हैं। डायबिटीज एक ऐसी बीमारी है जिसे हम साइलेंट किलर के तौर पर जानते थे मगर अब वह मेन किलर हो गई है। बच्चे से बुजुर्ग तक हर आयु का व्यक्ति इस बीमारी का शिकार हो रहा है। अस्पतालों और जाँच केंद्रों पर डायबिटीज के रोगी बड़ी संख्या में देखे जा रहे है। भारत में हर पांचवें व्यक्ति को इस बीमारी ने घेर रखा है। स्वस्थ व्यक्ति में खाने के पहले ब्लड में ग्लूकोस का लेवल 70 से 100 एमजी डीएल रहता है। खाने के बाद यह लेवल 120-140 एमजी डीएल हो जाता है और फिर धीरे-धीरे कम होता चला जाता है। मधुमेह हो जाने पर यह लेवल सामन्य नहीं हो पाता और बढ़ता जाता है।

भारत को डायबिटीज की खान कहा जाता है। डायबिटीज रोग वैश्विक और गैर.संचारी महामारी का रूप धारण कर चुका है। भारत में व्यस्त एवं भागमभाग वाली जिंदगी, खानपान की खराबी तनावपूर्ण जीवन, स्थूल जीवन शैली, शीतल पेय का सेवन, धूम्रपान, व्यायाम कम करने की आदत और जंक फुड का अधिक सेवन, मोटापा के कारण डायबिटीज का प्रकोप बढ़ रहा है। बच्चों का अब खेलकूद के प्रति रूझान घटना और मोबाइल कंप्यूटर खेलों की तरफ बढ़ना टीवी से चिपके रहना और जंक फूड खाने से बच्चे भी इस रोग के शिकार हो रहे हैं। डायबिटीज को खत्म तो नहीं किया जा सकता है पर उसे नियंत्रित अवश्य किया जा सकता है। इसके लिए कई इलाज है पर प्राकृतिक इलाज सबसे बेहतर है, जिसमे योग की बड़ी महत्ता है। रोज सुबह उठकर प्राणायाम, व्यायाम व आसन करने से इस पर नियंत्रण किया जा सकता है।

नजरिया

स्मार्ट सिटी : यथार्थ या केवल हवा की बातें ?

संजीव ठाकुर

मोबाइल : 90094 15415

बड़े विदेशी शहरों के अनुरूप भारत में भी ऐसे बड़े शहरों की जरूरत महसूस हो रही है, जहां के निवासियों की सभी जरूरतों को त्वरित व तेजी से पूरा किया जा सके। ऐसे शहरों को स्मार्ट सिटी का नाम दिया जा रहा हैश्र जिस शहर में सभी गुणवत्ता पूर्ण आम लोगों को सुविधाएं कम सेवा मूल्य पर और आसानी से उपलब्ध हो सके। जहां लोगों के जीवन यापन के तरीके इतने सुलभ व संतुलित हो की धूल प्रदूषण से मुक्त सड़कें, पानी, बिजली आसानी से उपलब्ध हो सकेश्र और वहां पर घर पहुंच घर में बैठे-बैठे इंटरनेट और सोशल मीडिया पर क्षण भर में सभी प्रशासनिक सुविधाएं उपलब्ध हो सके। आम नागरिक जन सुविधाओं से स्वतंत्रता के बाद अब तक जूझ रहा हैं, तो उसका त्वरित निराकरण संचार माध्यमों से हो सके। ऐसे स्मार्ट शहर की स्थापना किया जाना केंद्र सरकार का लक्ष्य बन गया है। पर क्या भारत की जनसंख्या की विशालता को देखते हुए और भारत के मेट्रोपॉलिटन शहरों की संघनता और जनसंख्या को दृष्टिगत रख इन्हें स्मार्ट सिटी में बदला जा सकता है? यदि सरकार और आम नागरिकों का दृढ़ निश्चय संकल्प हो, और आपसी सहयोग तथा सामंजस्य बेहतर तरीके से हो जाए तो भारत में स्मार्ट सिटी की परिकल्पना यथार्थ रूप भी ले सकती है। यदि दूसरे तरीके से और दूसरे नजरिए से इस तथ्य को देखा जाए तो स्मार्ट सिटी में पर्याप्त बिजली, पानी, भोजन, घर आदि की उपलब्धता के साथ-साथ स्वास्थ्य, सुरक्षा, शिक्षा, मनोरंजन, यातायात की सुविधाएं भी आसानी से प्राप्त हो जाएं और आरामदायक जीवन से संबंध सभी आर्थिक गतिविधियों का संचालन सुचारू रूप से चलता रहे। ऐसी स्मार्ट सिटी यदि भारत में बन जाती है, तो भारत से ज्यादा विकासवान दूसरा भी नहीं हो सकता है। तो ऐसे शहर की परिकल्पना केवल दृढ़ संकल्प और सार्थक मेहनत के प्रतिफल के रूप में ही की जा सकती है। देश के प्रधानमंत्री ने पूर्व स्वतंत्रता दिवस पर भारत में 100 से ज्यादा शहरों को स्मार्ट सिटी बनाने की घोषणा भी की है। और इसके लिए उन्होंने 9 हजार

करोड़ रुपयों का बजट का प्रावधान भी रखा है। वैसे तो प्रधानमंत्री के इस स्वप्निल विचारों को मूर्त रूप देने के लिए केंद्रीय शहरी विकास मंत्रालय द्वारा एक पूरा मैनुअल जारी किया गया है। यह परियोजना आने वाले वर्षों में मूर्त रूप लेगी। देश के 40 लाख से अधिक आबादी वाले 9 शहरों,10 लाख से 40 लाख आबादी वाले 44 शहरों, 5 लाख से 10 लाख आबादी वाले 20 शहरों, सभी राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशों की राजधानियों के अंतर्गत आने वाले लगभग 37 शहर सहित पर्यटन व धार्मिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण 15 शहरों को स्मार्ट सिटी बनाने की योजना बनाई गई है।

नए प्रारूप में सर्वप्रथम केंद्रीय शासन द्वारा दिल्ली, गुड़गांव, फरीदाबाद, इलाहाबाद, कानपुर, लखनऊ, वाराणसी, देहरादून, हरिद्वार, बोधगया, भोपाल, इंदौर, कोच्चि, जयपुर और अजमेर को स्मार्ट सिटी के रूप में परिवर्तित करने का निर्णय लिया गया है। भारत में स्मार्ट सिटी बनाने की इस नई परियोजना मेहं विदेशी राष्ट्रों ने भी गहरी रुचि दिखाई है। जापान ने वाराणसी शहर को एक अच्छी विकसित सर्व सुविधा संपन्न स्मार्ट सिटी बनाने रुचि दिखाई है। कतर देश के प्रिंस शेख हमद बिन नासिर ने दिल्ली को स्मार्ट सिटी बनाने के लिए 100 अरब रुपए की योजना बनाकर निवेश करने की इच्छा जताई है। नासिर जी ने अपने एक पार्टनर दिल्ली के नितेश शर्मा के साथ मिलकर देश में स्मार्ट शहरों की निर्माण हेतु एक लाख करोड़ रुपए निवेश करने का प्रावधान रखा है। सिंगापुर ने भी भारत में इंफ्रास्ट्रक्चर बनाने के लिए सहयोग देने की बात कही है। उन्होंने चेन्नई बैंगलोर इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के निकट एक लिटिल सिंगापुर विकसित करने की योजना बनाई है।

भारत सरकार ने स्मार्ट सिटी पर होने वाले खर्च हेतु पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप मॉडल की को प्राथमिकता देने की योजना भी बनाई है। पर स्मार्ट सिटी बनाते समय विशेष तौर पर केंद्र सरकार और राज्य सरकारों को पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप के तहत स्मार्ट सिटी में मांग प्रबंधन वित्तीय को ओपन ऊर्जा कुशलता सूचनाओं के आदान-प्रदान की समयानुकूल व्यवस्था के साथ न्यूनतम कचरा उत्पादन जैसी विशेषताओं का होना भी आवश्यक है। स्मार्ट सिटी में बाधा हीन कारोबार, गुणवत्ता परक जीवन के कारण तीव्र प्रति श्रद्धा की स्थिति मौजूद रहती है। ऐसे में जन सुरक्षा एवं नागरिक अधिकारों को भी साथ साथ जीवित रखना होगा।

स्मार्ट शहरों को विध्वंसक कार्रवाई यों और चोरी डकैती आदि से बचाने के लिए सुरक्षा व्यवस्था के तहत सीसीटीवी की निगरानी में 24 घंटे रखा जाना होगा। इसके साथ ही संतुलित जीवन के लिए पर्यावरण संतुलन भी अत्यंत आवश्यक होगा। देश में बड़ी संख्या में स्मार्ट सिटी स्थापित करने में निसंदेह भारत को विकसित देशों की ओर अग्रसर होने में बहुत मदद मिलेगी। देश में नए सिरे से रोजगार के अवसर भी खोजा जाएगा।परंतु इस नई परियोजना को मूर्त रूप देने में कई विघ्न बाधाएं एवं चुनौतियां भी हैं। जनता निर्विवाद रूप से कठिनाइयों से निपटने के बाद ही सपनों के शहर को बस बसाना आसान होगा। इन प्रोजेक्ट को अमल में लाने के लिए शहरी तथा ग्रामीण कानूनों में भी परिवर्तन आवश्यक होगा। यदि देश का प्रत्येक नागरिक सरकार के अधीन प्रोजेक्ट में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग देकर अपना योगदान दें, तो निश्चय ही अगले दो दशकों में भारत में सैकड़ों स्मार्ट सिटी निर्मित हो सकेगी और आम नागरिकों को जन सुविधाओं के साथ भारत एक विकसित राष्ट्र की श्रेणी में आ जाएगा।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

हमास ने चार वर्षीय एबिगेल एडन को रिहा किया : बाइडन

नानटुकेट (अमेरिका)/एपी

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने हमास द्वारा बंधक बनाई गई चार वर्षीय अमेरिकी बच्ची एबिगेल एडन को इजराइल-हमास युद्ध विराम समझौते के तहत रिहा किए जाने की रविवार को पुष्टि की। बाइडन ने रविवार को संवाददाताओं से कहा, ''शुक्र है कि वह घर लौट आई है। काश, मैं भी उसे गोद में उठाने के लिए वहां होता।'' एबिगेल के पास इजराइल और अमेरिका की दोहरी नागरिकता है। बाइडन ने कहा कि वह ''इजराइल में सुरक्षित'' है।

एबिगेल इजराइल-हमास के बीच युद्ध विराम समझौते के तहत रिहा की जाने वाली पहली अमेरिकी नागिरक है। अमेरिकी राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय 'व्हाइट हाउस' ने बाद में बताया कि राष्ट्रपति ने अमेरिका एवं इजराइल में रह रहे बच्ची के परिवार के सदस्यों से फोन पर बात की। उन्होंने इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से भी बात की। हमास के आतंकवादियों ने सात अक्टूबर को इजराइल पर अप्रत्याशित हमले के दौरान एबिगेल के माता-पिता की हत्या कर दी थी। एबिगेल जान बचाने के लिए भागकर अपने पड़ोसी के घर चली गई थी। पड़ोस में रहने वाली हागर नामक महिला अपने तीन बच्चों के साथ एबिगेल को अपने साथ कहीं ले गई थी, लेकिन फिर वे पांचों लापता हो गए थे। बाद में पुष्टि हुई कि उन सभी को बंधक बना लिया गया है। हमास के आतंकवादी इजराइल पर हमले के बाद जिन 200 से अधिक लोगों को बंधक बनाकर गाजा ले गए थे, एबिगेल उन्हीं लोगों में शामिल थी।

एबिगेल के परिवार के दो सदस्यों ने बाइडन, कतर सरकार और बच्ची को छुड़ाने में मदद करने वाले अन्य लोगों को धन्यवाद दिया। एबिगेल की रिश्तेदारों लिज हिर्श नफ्ताली और नोआ नफ्ताली ने कहा, ''आज की रिहाई साबित करती है कि यह संभव है। हम सभी बंधकों को घर वापस ला सकते हैं। हमें प्रयास जारी रखना होगा।'' हमास ने रविवार को 17 और बंधकों को रिहा किया। चार दिवसीय संघर्ष विराम के तहत तीसरी बार बंधकों की रिहाई हुई है। कुछ बंधकों को सीधे तौर पर इजराइल को सौंप दिया गया जबकि अन्य मिस्र के रास्ते रवाना हुए।

मोदी के तेजस में उड़ान भरने की आलोचना के लिए भाजपा ने विपक्षी दलों पर साधा निशाना

नई दिल्ली/भाषा

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने तेजस लड़ाकू विमान में यात्रा को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की आलोचना करने के लिए विपक्षी दलों पर सोमवार को निशाना साधा और आरोप लगाया कि वे न केवल उनसे नफरत करते हैं, बल्कि देश का कल्याण भी नहीं चाहते हैं।

जेतून के हरे रंग का लड़ाकू पायलट जी-सूट पहने मोदी ने शनिवार को स्वदेश निर्मित हल्के लड़ाकू विमान तेजस में उड़ान भरी जिसके बाद उन्होंने कहा कि इस अनुभव ने देश की स्वदेशी क्षमताओं में उनका विश्वास बढ़ाया है। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री द्वारा तेजस विमान से उड़ान भरने के बाद उन पर परोक्ष रूप से कटाक्ष करते हुए कहा कि 'चुनावी तस्वीरें खिंचवाने के उस्ताद' को इस हल्के लड़ाकू विमान के लिए पहले की सरकारों के दौरान किए गए प्रयासों को भी स्वीकार करना चाहिए था।

तेजस से मोदी की उड़ान पर प्रतिक्रिया देते हुए तृणमूल कांग्रेस के सांसद शांतनु सेन ने कथित तौर पर कहा कि उन्हें डर है कि 'कुछ ही समय में यह विशेष विमान दुर्घटनाग्रस्त हो जाएगा'।

विपक्षी दलों पर पलटवार करते हुए भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने कहा, ''यह दिखाता है कि उनके मन में सिर्फ प्रधानमंत्री के लिए ही नहीं बल्कि भारत के कल्याण के प्रति भी नफरत है।'' उन्होंने कहा कि यह हर भारतीय के लिए गर्व का क्षण है कि प्रधानमंत्री तेजस में उड़ान भर रहे हैं जो एक स्वदेशी उत्पाद है और देश के गौरव का प्रतीक है। उन्होंने आरोप लगाया, ''वे दिन गए जब हमारे सशस्त्र बल बुलेटप्रूफ जैकेट की मांग कर रहे थे और सोनिया गांधी, राहुल गांधी और तत्कालीन कांग्रेस सरकार अपने लिए वीवीआईपी हेलीकॉप्टर खरीदने में व्यस्त थी और जवानों की कभी परवाह नहीं की।''

भाटिया ने कहा कि दुनिया आज भारत की ताकत को पहचानती है। उन्होंने कहा, ''और मैं कहना चाहूंगा कि हमारे प्रधानमंत्री, जिनके पास 140 करोड़ भारतीयों का आशीर्वाद है, उन्हें कांग्रेस के कुछ पिट्ठू, तृणमूल कांग्रेस के पिट्ठू या विपक्षी दलों की चिंता करने की जरूरत नहीं है जो देश के प्रधानमंत्री के बारे में इस तरह के गैर जिम्मेदाराना बयान देते हैं।''

बातचीत

प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव प्रमोद कुमार मिश्रा ने सोमवार को उत्तरकाशी जिले में ध्वस्त सिल्कयारा सुरंग में बचाव अधिकारियों से बात करते हुए।

सिख आज पूरी दुनिया में छाये, पर मुगलों का कहीं अता-पता नहीं : योगी आदित्यनाथ

लखनऊ/भाषा

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मुगलों और सिखों के बीच हुए संघर्ष की याद दिलाते हुए सोमवार को कहा कि आज सिख पूरी दुनिया में छाये हुए हैं, मगर मुगलों की सत्ता का कहीं अता-पता नहीं है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को राजधानी लखनऊ के आशियाना स्थित गुरुद्वारे में श्री गुरु नानक देव जी महाराज के 554 वें प्रकाश पर्व पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित किया। इस उन्होंने कहा, ''सिख गुरुओं का बलिदान केवल खालसा पंथ के लिए न होकर हिन्दुस्तान और धर्म को बचाने के लिए था।' यहां जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार योगी ने कहा कि 'उस दौर में जब बड़े-बड़े राजा-महाराजा मुगल सत्ता की अधीनता स्वीकार कर रहे थे, तब सिख गुरु अपने दम पर देश और धर्म की रक्षा कर रहे थे। जिस देश और परंपरा में इस प्रकार का जुझारूपन हो उसे दुनिया की कोई ताकत झुका नहीं सकती।' मुख्यमंत्री ने कहा, 'खालसा पंथ की स्थापना मुगल सल्तनत के पतन का कारण बनी। आज सिख पूरी दुनिया में छाये हैं, मगर मुगलों की सत्ता का कहीं अता-पता नहीं है। ये सत्य और धर्म का रास्ता है।'

मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को प्रकाश पर्व की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रकाश पर्व हम सबके जीवन में गुरु कृपा से ज्ञान का प्रकाश देता है। उन्होंने कहा कि सिख गुरुओं का त्याग, बलिदान, भक्ति, शक्ति, साधना देश और धर्म के लिए अनुकरणीय है और भारत ही नहीं पूरी दुनिया में गुरु नानक जी का प्रकाश फैला है। उन्होंने कहा कि एक पक्ष भक्ति के माध्यम से साधना का है, तो वहीं दूसरा पक्ष भक्ति के माध्यम से लोक कल्याण और राष्ट्र कल्याण का मार्ग प्रशस्त करता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भक्ति के माध्यम से गुरु नानक देव जी ने उस कालखंड में बाबर के अत्याचारों के खिलाफ आवाज बुलंद की थी।

कंगना रनौत ने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के संग्रहालय का किया दौरा

नई दिल्ली/एजेन्सी

अभिनेत्री कंगना रनौत जल्द ही ऐतिहासिक फिल्म 'इमरजेंसी' में पूर्व प्रधान मंत्री इंदिरा गांधी का किरदार निभाती नजर आएंगी। अभिनेत्री ने प्रधानमंत्री संग्रहालय का दौरा किया और इंदिरा गांधी के एआई-निर्मित संस्करण के साथ अपनी एक तस्वीर शेयर की। कंगना 'वीरांगनाओं की महागाथा' नामक लाइट एंड साउंड शो के लॉन्च में शामिल हुईं। सोशल मीडिया पर 'क्वीन' अभिनेत्री ने प्रधानमंत्री संग्रहालय की अपनी यात्रा की कुछ तस्वीरें साझा की।

अभिनेत्री ने पिस्ता हरे रंग की साड़ी, स्लीवलेस ब्लाउज और मैचिंग चोकर नेकपीस और झुमके पहने थे। उन्होंने अपने बालों को जूड़े में बांध रखा था और कम से कम मेकअप का विकल्प चुना था। तस्वीरों में कंगना को इंदिरा गांधी के एआई-निर्मित संस्करण के साथ एक कुर्सी पर बैठे देखा जा सकता है। अभिनेत्री ने इसे कैप्शन दिया, आईजी के साथ बातचीत करना बहुत अच्छा रहा... (मैंने इंदिरा गांधी पर एक फिल्म बनाई थी, आईजी उनके लिए हमारा क्रू कोड नाम था।)'' तस्वीरों में कंगना को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की एआई-निर्मित छवि के साथ पोज देते हुए भी दिखाया गया है।

कंगना ने पोस्ट के कैप्शन में लिखा, आज दिल्ली में 'वीरांगनाओं की महागाथा' नामक एक शानदार लाइट और साउंड शो लॉन्च किया गया है। हमारे महान इतिहास और शक्ति भावना के पुनरुद्धार में कितना अविश्वसनीय कदम है।

पोस्ट में लिखा, इतिहास के कई अध्याय विभिन्न आख्यान कुछ पुराने तरीकों के माध्यम से और कुछ भविष्य की तकनीकों के माध्यम से मेरी आंखों के सामने खुल गए।

हर किसी को वहां अवश्य जाना चाहिए, इसे एक पारिवारिक सैर बनाएं, देखने के लिए बहुत कुछ है, मनोरंजन करते हुए जानकारी प्राप्त करें और अपने दिन की समाप्ति लंबे समय से खोए हुए नायकों के बारे में एक सुपर रोमांचक लाइट और साउंड शो के साथ करें। मैं अपने भतीजे पृथ्वी को जल्द ही वहां ले जाने के लिए इंतजार नहीं कर सकती... जय हिंद। आगामी फिल्म 'इमरजेंसी' भारतीय आपातकाल पर आधारित है, और इसमें अनुपम खेर, श्रेयस तलपड़े, महिमा चौधरी और मिलिंद सोमन भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं।

रणबीर कपूर ने अपनी फिल्म का नाम 'एनिमल' के पीछे की वजह का खुलासा किया

मुंबई/वार्ता

बॉलीवुड अभिनेता रणबीर कपूर ने अपनी आने वाली फिल्म एनमिल का नाम 'एनिमल' रखने की वजह बतायी है। संदीप रेड्डी वांगा निर्देशित एनिमल में रणबीर कपूर,अनिल कपूर, रश्मिका मंदाना, बॉबी देओल और तृप्ति डिमरी जैसे कलाकार प्रमुख भूमिका में हैं।

रणबीर कपूर ने फिल्म का टाइटल एनिमल रखने के पीछे की वजह का खुलासा किया है। रणबीर कपूर ने कहा,'मुझे लगता है कि आप फिल्म एनिमल को मेरे द्वारा निभाए गए इस किरदार और अन्य किरदारों के नजरिए से देख रहे हैं, जिनके बारे में मैं बात नहीं कर सकता। एक बार आप फिल्म देखेंगे, तो आपको समझ आ जाएगा।मुझे लगता है कि संदीप रेड्डी वांगा ने इस फिल्म को एनिमल क्यों कहा, इसका कारण यह है कि जानवर अपनी प्रवृत्ति से बाहर व्यवहार करता है। वे सोच समझकर व्यवहार नहीं करते। तो यह किरदार जो मैं निभा रहा हूं, वह अपने परिवार की रक्षा के लिए सहज व्यवहार करता है। वह यह नहीं सोच रहा है कि वह सहज भाव से व्यवहार कर रहा है, वह आवेगी है और मुझे लगता है कि यहीं पर एनिमल नाम आया। एक बार जब आप फिल्म देखेंगे तो आपको एहसास होगा कि यह फिल्म इस नाम पर फिट बैठती है।

पटना में कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर सोमवार को पटना में श्रद्धालुओं ने गंगा नदी में पवित्र डुबकी लगाने के बाद पूजा-अर्चना की।

हर कोने में सैम मानेकशा की कहानी पहुंचाना चाहते हैं : विक्की कौशल

मुंबई/भाषा

अभिनेता विक्की कौशल को उम्मीद है कि फिल्म 'सैम बहादुर' में उनका निभाया पूर्व सेना प्रमुख सैम मानेकशा का किरदार लोगों को रास आएगा और उनकी फिल्म विरासत का हिस्सा बन जाएगा। फिल्म का निर्देशन मेघना गुलजार ने किया है जिन्होंने कौशल के साथ 'राजी' भी बनाई थी। यह कौशल के अभिनय वाली दूसरी जीवनी आधारित फिल्म है। इससे पहले वह सुजीत सरकार की 'सरदार उधम' में शीर्ष भूमिका

निभा चुके हैं। उन्होंने 'पीटीआई-भाषा' को दिए साक्षात्कार में कहा, ''हम हर घर, गांव, कस्बे, शहर और दुनिया के हर कोने तक पहुंचना चाहते हैं। हम सब इसके लिए तरसते हैं। लेकिन हम इसलिए काम करते हैं कि लोग इसे देखें, उन्हें ये पसंद आए और वे इसकी खुशी मनाएं। यह सबसे बड़ी प्रशंसा है।'' कौशल ने कहा कि बॉक्स ऑफिस पर फिल्म की कमाई बड़ी बात है, लेकिन काम से लोगों का दिल जीतकर अदाकार का आत्मविश्वास बढ़ जाता है। 'सैम बहादुर' में मानेकशा की पत्नी सिल्लू का किरदार सान्या मल्होत्रा और पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का किरदार फातिमा सना शेख ने निभाया है।

'द आर्चीज' का म्यूजिक एल्बम लांच

मुंबई/वार्ता

बॉलीवुड फिल्मकार जोया अख्तर की आने वाली फिल्म 'द आर्चीज' का म्यूजिक एल्बम लांच कर दिया गया है। फिल्म 'द आर्चीज' के साथ शाहरुख खान की बेटी सुहाना खान, जान्हवी कपूर की बहन खुशी कपूर और अमिताभ बच्चन के नाती अगस्त्य नंदा डेब्यू करेंगे।

द आर्चीज' का म्यूजिक एल्बम लांच कर दिया गया है। यह एल्बम 16-ट्रैक का मास्टरपीस है, जिसमें 'सुनोह', 'वा वा वूम' और 'इन राहों में' के साथ-साथ 'डियर डायरी', 'जब तुम ना थीन', 'ढिशूम ढिशूम', 'लोनली जुलाई,' 'एवरीथिंग इज़ पॉलिटिक्स,' 'प्लम पुडिंग,' 'ये सारी आवाज़ें,' 'छूना आसमान,' और 'एसिमेट्रिकल' जैसे अन्य नए रिलीज़ गाने शामिल हैं। जोया अख्तर ने बताया, आखिरकार हम अपने दर्शकों के लिए पूरा एल्बम पेश करने को लेकर बहुत उत्साहित हैं। यह फिल्म एक संगीतमय फिल्म है, और कॉमिक बुक कथा, 60 के दशक और युवा वयस्क स्वर को देखते हुए यह एल्बम बेमिसाल है। शंकर-एहसान-लॉय, अंकुर तिवारी, डॉट, मेरे पिता, अरिजीत सिंह और तेजस का एक एल्बम में होना मेरे सपने से भी बढ़कर है। मैं एक ऐसा एलबम चाहती थी जो मुझे मुस्कुराने पर मजबूर कर दे। और मुझे उम्मीद है कि श्रोता भी ऐसा करेंगे।

संगीतकार तिकड़ी शंकर-एहसान-लॉय ने कहा,द आर्चीज संगीत के साथ, हमारा लक्ष्य दर्शकों के लिए कुछ नया बनाना है। 60 के दशक का संगीत एक बेमिसाल सरसता जोड़ता है, जो संगीतकारों और गीतकारों की एक प्रतिभाशाली टीम द्वारा इज़ाफ़ा है। हमारा निजी पसंदीदा 'प्लम पुडिंग' है और हम यह देखने के लिए उत्साहित हैं कि दर्शक इस पर और हमारे अन्य गानों पर कैसी प्रतिक्रिया देते हैं। संगीतकार, गायक, गीतकार अंकुर तिवारी ने कहा, इस एल्बम पर काम करना एक अविश्वसनीय रूप से रोमांचक और सहयोगी प्रक्रिया रही है। मुझे 60 के दशक का संगीत बनाने और जावेद अख्तर सर, शंकर-एहसान-लॉय और डॉट जैसे पीढ़ियों के प्रतिभाशाली कलाकारों के साथ सहयोग करने में बहुत मजा आया। संगीतकार के रूप में, जोया अख्तर के साथ काम करना एक सफल अनुभव था, उनकी स्पष्ट दृष्टि ने पूरी प्रक्रिया को काफी सहज बना दिया। 'द आर्चीज' फिल्म की कहानी कॉमिक बुक कैरेक्टर आर्ची एंड्रयूज और उसके दोस्तों पर आधारित है।'द आर्चीज' 07 दिसंबर को ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। 'द आर्चीज' शरद देवराजन और रीमा कागती द्वारा टाइगर बेबी और ग्राफिक इंडिया के बैनर तले बनाई गयी है।

अपने किरदारों की उम्र को महत्व नहीं देने का प्रयास किया : रानी मुखर्जी

पणजी/भाषा

बॉलीवुड अभिनेत्री रानी मुखर्जी ने कहा कि दर्शकों ने उन्हें फिल्म उद्योग में आयु के आधार पर भेदभाव और अन्य बाधाओं को तोड़ने में मदद की जिससे विभिन्न प्रकार के किरदारों को निभाने में आसानी हुई। गोवा के पणजी में चल रहे भारतीय अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (आईएफएफआई) में एक सत्र में बातचीत के दौरान अभिनेत्री ने कहा कि किसी भूमिका को निभाने को लेकर कलाकार की आयु को महत्व नहीं देना चाहिए। मुखर्जी ने कहा,' मेरे प्रशंसकों ने मुझे प्यार दिया है और वर्षों से मेरे काम को स्वीकार किया है। उन्होंने आयु के आधार पर भेदभाव और अन्य बाधाओं को तोड़ने में मेरी मदद की है और मैं वादा करती हूं कि 80 वर्ष की आयु तक काम करूंगी। मुझे नहीं लगता कि कलाकार को उसकी उम्र से आंकना चाहिए।' उन्होंने कहा कि ऐसा इसलिए है, क्योंकि हमारा सिनेमा लोकप्रिय सिनेमा है और आप हर समय पर्दे पर युवाओं को देखना चाहते हैं, क्योंकि यही बात युवाओं को (सिनेमा) जाकर देखने को मजबूर करती है। अभिनेत्री ने कहा कि यह कलाकारों के लिए भी महत्वपूर्ण है कि वे इस 'भ्रम' में रहें कि वे हमेशा युवा रहेंगे। मुखर्जी ने कहा, 'आप दिल से युवा हो सकते हैं, लेकिन अपनी उम्र को स्वीकार करना और अपनी उम्र के अनुरूप भूमिकाएं स्वीकार करना भी महत्वपूर्ण है ताकि दर्शक आपको स्वीकार कर सकें। इसलिए, यह मेरा हमेशा से एक प्रबुद्ध निर्णय रहा है कि मैं अपने दर्शकों को कुछ ऐसा दे सकूं जो उनके लिए भी सुखद हो। '

अभिनेत्री ने कहा, 'मेरा जीवन का दृष्टिकोण है कि मैं 20 साल पहले जैसी दिखती थीं वैसी ही दिखूं और जीवन भर ऐसी ही दिखती रहूं। अच्छी और स्वास्थ्यकर जीवनशैली अपनाकर इसे कायम रखूं क्योंकि जब पैसे चुकाकर दर्शक आपके काम को देखने आते हैं तब वे एक अच्छा चेहरा देखना चाहते हैं।' उन्होंने कहा, 'वे आपका पस्त चेहरा नहीं देखना चाहते और इसलिए मैं भी अंतराल लेती हूं और अपना काम करती हूं, क्योंकि इसने पिछले 27 वर्षों से दर्शकों से जोड़े रखा है और मुझे उम्मीद है कि यह सिलसिला अगले 27 वर्षों तक जारी रहेगा।' मुखर्जी ने कहा कि मुझे 20 वर्ष की उम्र में भी पर्दे पर मां का किरदार निभाने में झिझक नहीं हुई। उन्होंने कहा,मैंने अपनी तीसरी फिल्म 'कुछ कुछ होता है' में एक मां की भूमिका निभाई थी और मैंने ऐसे किरदार को निभाना जारी रखा। मैंने 'ता रा रम पम' में भी दो बच्चों की मां की भूमिका निभाई थी।' रानी मुखर्जी ने कहा कि उन्होंने हमेशा भारतीय महिलाओं को मजबूत किरदार के रूप में पेश करने की कोशिश की है। गोवा में 54वें भारतीय अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (आईएफएफआई) में रानी मुखर्जी के साथ 'सम्मोहक प्रदर्शन देने' की थीम पर एक सत्र आयोजित किया गया। गलाट्टा प्लस के प्रधान संपादक और राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता फिल्म समीक्षक बरद्वाज रंगन द्वारा संचालित चर्चा में रानी मुखर्जी के जीवन और शानदार करियर पर प्रकाश डाला गया। अभिनेत्री ने कहा,भारत के बाहर, फिल्मों और उनके पात्रों को हमारी भारतीय संस्कृति के प्रति खिड़की के रूप में देखा जाता है। हमेशा मजबूत फिल्मों और भूमिकाओं के साथ खड़े रहना महत्वपूर्ण है। कभी-कभी आपको उस अवधि में दर्शकों की स्वीकृति नहीं मिल पाती है, लेकिन सिनेमा के इतिहास में ऐसी फिल्मों और किरदारों को जगह मिलेगी।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
बेंगलूरु | मंगलवार | 28-11-2023 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. 58061/93. Regn No.:
RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

यहां लालबाग रोड स्थित गोडवाड़ जैन भवन के सभागार में रविवार 26 नवम्बर को उदासीन मठ के महंत गणेश दासजी महाराज के सान्निध्य में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी 'करने वाले श्याम कराने वाले श्याम' भजन संध्या का आयोजन किया गया।

आदिनाथ चिकपेट संघ से संतों को हुआ विहार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां के प्राचीन संघ यानी श्री आदिनाथ जैन श्वेताम्बर संघ चिकपेट में चातुर्मास करने पधारे आचार्यश्री अभयशेखरसूरीश्वरजी म. सा. के शिष्य पंन्यासप्रवर श्री जयभानु शेखर विजयजी म. सा. एवं साध्वीश्री निःसंग वर्धनाश्रीजी म.सा. के ऐतिहासिक, यशस्वी, संघस्पर्शी, आत्मलक्षी चातुर्मास की पूर्णाहुति के उपलक्ष्य में भगवान श्री महावीर स्वामी की आज्ञा अनुसार चातुर्मासिक परिवर्तन के पहले देरासर में श्री आदिनाथ प्रभु, श्री महावीर स्वामी एवं श्री नेमिनाथ प्रभु के समक्ष चैत्यवंदन करके सोहन हाल में संगीतमय वातावरण में श्री शत्रुंजय पट जुहारकर भावयात्रा हुई।

सांगली से आए अक्षत भाई कमलेशजी संघवी ने संगीत का प्रस्तुतिकरण करके श्री आदिनाथ प्रभु के भक्तों को खूब भाव विभोर किया। इससे पूर्व पंन्यास प्रवर ने श्री शत्रुंजय गिरिराज की महिमा बताई। अनेक श्रद्धालु सुबह पाँच बजे से देरासर में आ चुके थे। पट जुहारने की क्रिया के साथ चैत्यवंदन व खमासमणे पूर्ण होते ही साधु-साध्वीजी ने सकल संघ के साथ चातुर्मास परिवर्तन हेतु मागडी रोड स्थित प्रेस्टीज अपार्टमेंट की ओर प्रस्थान करने के पहले अर्हम् ग्रुप द्वारा निर्धारित विहार स्तुति का गान किया गया।

इस आशय से कि साधु साध्वीजी भगवंतों की विहार यात्रा बिना विघ्न की हो। कई युवा व बुजुर्गों की आंखे नम थीं, क्योंकि अब गुरुदेव आगे यहां पर रुकने वाले नहीं है। जैन साधु साध्वीजी भगवंत एक जगह 4 महीनों के लिए मात्र चातुर्मास में ही रुकते है। बाकी समय में वो मात्र विहार में रहते है।

'साँवली सूरत पे मोहन दिल दीवाना हो गया...'

श्याम भजन संध्या में झूमें श्याम भक्त

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां लालबाग रोड स्थित गोडवाड़ जैन भवन के सभागार में रविवार 26 नवम्बर को उदासीन मठ के महंत गणेश दासजी महाराज के सान्निध्य में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी 'करने वाले श्याम कराने वाले श्याम' भजन संध्या का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बाबा श्याम का फूलों से सुन्दर दरबार सजाया गया। श्याम सखा परिवार के सदस्य बिमल सुरोलिया, सुभाष राजपुरोहित, भंवर सिंह राजपुरोहित, नरेन्द्र सिंग राजपुरोहित ने परिवार सहित पूजन कर अखण्ड ज्योत प्रज्ज्वलित की। श्याम भक्तो ने जयश्री श्याम के जयकारों से पूरे सभागार को श्याममय बना दिया।

तत्पश्चात किशन बगड़िया ने भगवान गणेश की वंदना से भजन संध्या की शुरूआत की। उत्तरप्रदेश के सोनभद्र से आए प्रसिद्ध भजन गायक संजीव शर्मा व राजस्थान के रायसिंह नगर के कन्हैया झा ने बाबा श्याम के भजनों की प्रस्तुति से समा बांधा। 'साँवली सूरत पे मोहन दिल दीवाना हो गया' की प्रस्तुति पर भक्त थिरकते रहे। रामसुंदर बगड़िया, सुश्री श्रेया इन्दोरिया, सुश्री शिवांगी तुलसियान, पंडित मुरारी दाधिच ने मधुर भजनों से रिझाया। पंडित विजय शुक्ला द्वारा मंत्रोच्चार के साथ पूजन कराया गया। इस अवसर पर गौड़ ब्राह्मण संघ के अध्यक्ष चुन्नीलाल नाथोलिया, राजगढ़ सादुलपुर नागरिक परिषद के अध्यक्ष प्रभात किशन पुरिया, अग्रवाल विकास ट्रस्ट के सुरेश कुमार मोदी, शाकदीपीय ब्राह्मण समाज के चम्पालाल शर्मा, गोडवाड़ जैन भवन के कुमारपाल सिसोदिया, बाबा गंगाराम सेवा समिति के अध्यक्ष गौरीशंकर गुप्ता को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। श्याम सखा परिवार द्वारा सभी मेहमान कलाकारों का सम्मान किया गया।

बाबा श्याम के अलौकिक श्रृंगार के दर्शन के लिए भक्तों ने कतार में खड़े होकर दर्शन किये। प्रभु को छप्पन भोग का भोग अर्पित किया गया। उदासीन मठ के महंत बालयोगी गणेश दास महाराज के सभागार में पहुँचने पर भक्तो ने 'जय श्री श्याम जय श्री राम' के जयघोष के साथ अभिनंदन किया। महंत ने अपने आशीर्वचन में कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजन होते रहने चाहिए और आज की युवा पीढ़ी को भी सनातन धर्म के बारे ज्ञान होना चाहिए। हमारा धर्म बचेगा तो हमारा राष्ट्र बचेगा। हर सनातनी को धर्म की रक्षा करनी चाहिए। अंत में श्यामजी की आरती के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

मुनि दीपकुमार का हुआ मंगलभावना समारोह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां विजयनगर स्थित तेरापंथ भवन में आचार्यश्री महाश्रमणजी के शिष्य मुनिश्री दीपकुमारजी का दो दिवसीय मंगल भावना समारोह का आज दूसरे दिन का आयोजन श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा आदि संस्थाओं ने किया। मुनिश्री दीप कुमारजी ने कहा कि मंगल की चाह तो सबको होती है। धर्म से बड़ा मंगल कोई नहीं होता। धर्म है तो मंगल ही मंगल है। सबके प्रति मंगल भावों के फूल चढ़ाएं। लोग मंगल में जीवन खोजते हैं, जीवन में मंगल खोजें। मंगल भावना समारोह प्रमोद भावना का प्रतीक है। गुरु आज्ञा से हम विजयनगर बेंगलुरु में चातुर्मास करने आए। गुरु कृपा से हर कार्य सफल होते हैं, यहां हर दृष्टि से हमें सफलता प्राप्त हुई। व्याख्यान के क्रम में विशाल उपस्थिति रही। तपस्या की लड़ी लगना, तीन-तीन मासखमण आदि बहुत सारी तपस्या का क्रम अच्छा रहा। समय समय में अच्छे कार्यक्रम भी हुए, रात्रिकालीन प्रतियोगिताएं भी आयोजित हुए।

मुनिश्री आगे कहा कि मुनि काव्य ने भी अच्छा श्रम किया। न्यातिलों के यहां चातुर्मास की गुरु कृपा हुई। काव्य मुनि के न्यातिलों ने अच्छी सेवा की। तेरापंथी सभा, तेरापंथ युवक परिषद, महिला मंडल आदि संघीय संस्थाओं के अध्यक्ष, मंत्री, पदाधिकारियों का उल्लेख करते हुए उनकी श्रम और सेवाओं की सराहना की। मुनिश्री काव्य कुमारजी ने कहा कि मुनिश्री दीप कुमारजी का यह चातुर्मास कई दृष्टियों से ऐतिहासिक रहा, मुझे व्यक्तिगत विकास का अच्छा अवसर मुनिश्री ने दिया। चातुर्मासिक कार्यक्रमों के प्रायोजक मनोहरलाल, कमला बाई, अनीशा, सुनीता एवं बाबेल परिवार को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में तेरापंथी सभा अध्यक्ष प्रकाश गांधी, तेयुप मंत्री कमलेश चोपड़ा, मनीषा घोषल, राकेश बाबेल, मुकेश बाबेल, दर्शन बाबेल, भंवरलाल मांडोत आदि ने विचार रखें। गगन बरडिया, आर आर.नगर महिला मंडल, पिस्तादेवी श्रीश्रीमाल ने स्वतंत्र गीत प्रस्तुत किए। संचालन सुमित्रा बरड़िया ने किया।

एटीडीसी सेन्टर में मुनिश्री का पदार्पण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ युवक परिषद राजाजीनगर द्वारा संचालित आचार्य तुलसी डायग्नोस्टिक सेंटर एंड डेंटल केयर सेन्टर श्रीरामपुरम में सोमवार को मुनिश्री राजपदमसागरजी पहुंचें। तेयुप अध्यक्ष कमलेश गन्ना ने एटीडीसी द्वारा प्रदत्त विभिन्न सेवाओं, डॉक्टरों की उपलब्धता एवं अन्य गतिविधियों की जानकारी प्रदान की। मुनिश्री ने एटीडीसी का अवलोकन करते हुए परिषद परिवार द्वारा मानव सेवा के क्षेत्र में सराहनीय कार्य करने हेतु अनुमोदन किया। मुनिश्री ने मंगलपाठ सुनाया। इस अवसर पर जयंतीलाल गांधी, सुनील मेहता, मुकेश देरासरिया, महेश आच्छा, राजेश देरासरिया एवं अन्य सदस्यों की उपस्थिति रही।

स्थापना दिवस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु में सोमवार को राजेन्द्र जैन महिला परिषद के स्थापना दिवस के मौके पर महावीर जिनालय के आई हॉस्पिटल परिसर में संस्था के सदस्यों ने ध्वजारोहण किया। सर्व प्रथम प्रभु सन्मुख कार्तिक पूर्णिमा के उपलक्ष्य में चैत्यवंदन विधि की गयी है। डायलिसिस सुविधा के लिए आए सभी को लड्डु की प्रभावना दी गई। सभी सदस्यों ने मरीजनों की सेवा के लिए दान राशि भी देने की योजना बनाई जिसमें सभी ने सहयोग करने की बात कही। इस मौके पर जैन चैरिटेबल ट्रस्ट अध्यक्ष कांतिलाल चौहान एवं उपाध्यक्ष वसंत राठोड भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

आदर्श आकर्षण-2023: 'जीत या हार के बजाय खेल भावना का प्रदर्शन करना जरूरी'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। एसआरएन आदर्श पीयू कॉलेज हाई स्कूल के विद्यार्थियों के लिए इंटर स्कूल सांस्कृतिक उत्सव और खेल प्रतियोगिताओं 'आदर्श आकर्षण' का उद्घाटन सोमवार को किया गया। इस अवसर पर आदर्श विद्या संघ के सचिव जितेंद्र मरडिया ने समारोह की अध्यक्षता की। प्राचार्य डॉ. एस प्रशांत ने सबका स्वागत किया। मुख्य अतिथि केएचएस आदर्श हाईस्कूल प्राचार्य डॉ. प्रज्ञा यादव थीं। मंच पर एजीआई के अकादमिक डीन डॉ. मनोज जैन मौजूद थे। 'आदर्श आकर्षण' में विभिन्न कार्यक्रम शामिल हैं, जो 28 और 29 नवंबर को भी होंगे। जितेंद्र मरडिया ने कहा कि 'आदर्श आकर्षण' हाई स्कूल के विद्यार्थियों के लिए अपनी प्रतिभा दिखाने और हमारे परिसर का दौरा करने और यह महसूस करने का एक अवसर है कि आदर्श अन्य कॉलेजों से कैसे अलग है। डॉ. प्रज्ञा यादव ने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने विद्यार्थी की शैक्षिक यात्रा में व्यक्तित्व विकास के महत्त्व पर जोर दिया। उन्होंने विद्यार्थियों को सलाह दी कि वे एक टीम में काम करना सीखें और नेतृत्व के गुण विकसित करें, ताकि उनके भविष्य के करियर में लाभ हो। उन्होंने यह भी कहा कि जीत या हार के बजाय खेल भावना का प्रदर्शन करना जरूरी है। आदर्श ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस सभी विद्यार्थियों के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने प्रतिभागियों को शुभकामनाएं भी दीं। जीव विज्ञान की व्याख्याता विद्या श्रीकांत ने मुख्य अतिथि का परिचय दिया। अंग्रेजी की व्याख्याता दीपा शेषाद्रि ने समारोह का संचालन किया। कन्नड़ के व्याख्याता डॉ. के मल्लिकार्जुन ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर विज्ञान प्रदर्शनी, सामाजिक विज्ञान प्रदर्शनी, मेहंदी, हेयर स्टाइलिंग, समूह गायन, उठाओ और बोलो, पावरप्वाइंट प्रस्तुति, गूंगा सारथी, क्रिकेट, वॉलीबॉल, गेंद फेंको, टेबल टेनिस में विभिन्न उच्च विद्यालयों के 500 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया।

पाली रेंज के आईजी पुलिस ने तेजराज शर्मा का किया स्वागत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर की विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के माध्यम से जरूरतमंदों की सेवा तथा समाज सेवा से जुड़े शाकद्वीपीय ब्राह्मण समाज बेंगलूरु के वरिष्ठ तेजराज शर्मा प्रसिद्ध मंदिरों के देवदर्शन यात्रा के बाद राजस्थान पहुंचे। यहां पाली संभाग के पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) एचजी राघवेन्द्र, सुहास (आईपीएस) अपने निजी कार्यक्रम अनुसार सपत्नीक सोजतरोड़ स्थित शर्मा निवास पहुंचकर तेजराज शर्मा की कुशलक्षेम जानी। आईजी राघवेंद्र, सुहास ने तेजराज शर्मा का राजस्थानी परंपरा अनुसार माला पहनाकर, शॉल ओढ़ाकर एवं गुलदस्ता भेंट कर स्वागत किया।

ज्ञातव्य रहे कि दक्षिण भारत निवासी सुहास वर्तमान में राजस्थान के पाली संभाग के पुलिस महानिरीक्षक के पद पर कार्यरत है। नव सृजित पाली संभाग में पाली, जालौर, सिरोही, सांचौर जिले आते हैं।

कई महत्वपूर्ण पदों पर रहते हुए सुहास तेजतर्रार एवं कर्तव्यनिष्ठ अधिकारी के रूप में जाने जाते हैं। इस मौके राजेन्द्र शर्मा, विष्णु कुमार व्यास, भूपेश कश्यप, भरत शर्मा, इंद्रा शर्मा, अंजू शर्मा सहित शर्मा परिवार के सदस्य उपस्थित थे।

जसवंतगढ़ नागरिक परिषद का दीपावली मिलन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय जसवंतगढ़ नागरिक परिषद के तत्वावधान में 26 नवम्बर रविवार को मैसूरु रोड के केंगेरी स्थित माहेश्वरी फार्म्स में दीपावली स्नेह मिलन उत्साह व उमंग के साथ धूमधाम से मनाया गया। सर्वप्रथम गणेशजी के आव्हान के बाद परिषद के अध्यक्ष निरंजन सारड़ा, उपाध्यक्ष शोभाचंद तापड़िया, सहसचिव अनसुईया सारड़ा, संरक्षक विजयकुमार तोषनीवाल, सम्माननीय सदस्य विजयकुमार साबू एवं जसवंतगढ़ से पधारे अतिथि गौरीशंकर उपाध्याय ने सालासर दरबार कि पूजा कर दीप प्रज्ज्वलन किया। अध्यक्ष निरंजन सारड़ा ने सभी मेहमानों व सदस्यों का स्वागत किया। स्वागत के बाद लोक, भजन गायक निरंजन सारड़ा के साथ सभी ने सामूहिक प्रार्थना की 'दया कर दान भक्ति का हमें परमात्मा देना, दया करना हमारी आत्मा को शुद्रता देना।'

मंच संचालन कर रहे हरिकिशन सारड़ा ने नए सदस्यों का परिवार सहित मंच पर बुलाकर परिचय व स्वागत किया गया। हरीश तापड़िया व नवनीत सारड़ा ने नए तरीके से धार्मिकता से ओत प्रोत बहुत ही सुंदर ढंग से सभी को 'हाउजी' खिलाया। जिसमें विनित बलदुवा व खुशबू फलौड़ ने सक्रिय सहयोग प्रदान किया। हाउजी में आये हुए सभी 119 सदस्यों ने भाग लिया। नियम अनुसार जो अग्रणीय रहे उनको पारितोषित प्रदान किया गया। दूसरे दौर में धार्मिक प्रश्नोत्तरी हुई सभी ने खूब आनंद उठाया। फिल्मी गानों पर एक सुन्दर प्रतियोगिता खुशबू फलोड़ से प्रस्तुत की।

तीन लक्की डिप पुरस्कार निकाले गए जिसमें पहला पुरस्कार अतिथि गौरीशंकर उपाध्याय को प्राप्त हुआ। शर्मा केटर के सोहन विनोद शर्मा द्वारा स्वादिष्ट भोजन का सभी ने रसास्वादन किया। सहसचिव अनुसुईया सारड़ा द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

बच्चा चोरी रैकेट का भांडाफोड़, 4 गिरफ्तार

बेंगलूरु। कर्नाटक पुलिस ने बेंगलुरु में बच्चा चोरी करने वाले एक गिरोह का भांडाफोड़ कर दिया और सोमवार को आरआर नगर इलाके से तीन महिलाओं सहित चार लोगों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने गिरोह के चंगुल से 20 दिन के एक बच्चे को बचाया है। गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान कन्नन रामास्वामी, मुरुगेश्वरी, हेमलता और शरण्या के रूप में हुई है। आरोपी लाल रंग की स्विफ्ट कार में राजा राजेश्वरी मंदिर के पास बच्चे को बेचने आए थे। हालांकि, सिटी सेंट्रल क्राइम ब्रांच पुलिस ने एक गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए बच्चे को बेचते समय उन्हें रंगे हाथों पकड़ लिया। आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है और पुलिस उनसे पूछताछ कर रही है। पुलिस पता लगाना चाहती है कि उन्होंने बच्चे को कहां से उठाया था, जिसे वे मोटी रकम में बेचना चाहते थे। पुलिस ने बताया कि आरोपियों ने खुलासा किया कि महालक्ष्मी नाम की एक महिला ने बच्चे के लिए पैसे लिए थे। आरआर नगर पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है और जांच जारी है, हालांकि, घटना के संबंध में अभी अधिक जानकारी सामने नहीं आई है।

नर्सरी स्कूल की इमारत गिरने से बच्चे बाल-बाल बचे

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । बेंगलूरु में बृहत बेंगलुरु महानगर पालिका (बीबीएमपी) द्वारा संचालित एक नर्सरी स्कूल की इमारत सोमवार को क्लास शुरू होने से पहले ही ढह गई। लेकिन इस दौरान एक बड़ी त्रासदी टल गई। शिवाजीनगर इलाके के पास कुक्स रोड पर स्थित इस अंग्रेजी माध्यम नर्सरी स्कूल में 90 बच्चे पढ़ते हैं।

हर दिन 70-80 नर्सरी के बच्चे स्कूल आते हैं और अगर स्कूल के समय में इमारत गिरती तो बड़ा हादसा हो सकता था।

Printed & Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com